व्याकरण गंगा

3

हिंदी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति
2020 के अनुरूप

लेखक :
श्री बनवारी लाल
एम. ए. (हिंदी), शिक्षाशास्त्र, **बी.एड.**
ब्रह्मपुरी पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल
दिल्ली

Royal
ROYAL PUBLISHING HOUSE
Delhi Faridabad

Published by :

ROYAL PUBLISHING HOUSE

Delhi **Faridabad**

Regd. Off. : Om Shubham Plaza, L-4, Sector-16, Near Sagar Cinema, Faridabad
Tel.: 2281326, 2401155, 2401213

Br. Off. : Street No. 6, H.No. 175, HR-Block, PulPahladpur, Badarpur, Delhi

E-mail : royalpublishers@rediffmail.com

Disclaimer and Liability

Utmost care has been taken to avoid errors while editing and printing this book. However, some errors might have crept in unintentionally. Any error or discrepancy brought to our notice shall be thankfully acknowledged and taken care of in the next edition.

© Copyright All Rights Reserved

All rights reserved with the Publisher. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means: electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of publisher.

Printed at : Unique Printing Press, Delhi

प्रस्तावना

प्रत्येक भाषा की अपनी व्यवस्था और अपने नियम होते हैं। भाषा की इस व्यवस्था के नियमों को ही **'व्याकरण'** कहते हैं। व्याकरण में प्रत्येक शब्द, पद, वाक्य इत्यादि के बनने से लेकर प्रयोग तक की जानकारी होती है। अतः किसी भी भाषा को सीखने से पहले उसका व्याकरण जानना आवश्यक होता है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमने आधुनिक युग के नन्हें, सुकोमल, चंचल और जिज्ञासु बच्चों को व्याकरण सिखाने के लिए **व्याकरण गंगा** नामक यह शृंखला बनाई है। इस शृंखला को प्रस्तुत करते हुए हमारे मन में अत्यंत सुख और रोमांच है।

इस व्याकरण शृंखला का निर्माण **'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)'** के अंतर्गत निर्मित सभी राज्यों के शिक्षा बोर्डों द्वारा निर्धारित विविधता और नवीनता को दृष्टिगत रखते हुए इसमें नए पाठ्य-बिंदुओं का समावेश किया गया है।

इस व्याकरण शृंखला का उद्देश्य खेल-खेल में भाषा और व्याकरण का समुचित और सुबोध शैली में अध्ययन कराना है। बच्चे व्याकरण को शुरू से ही एक कठिन विषय के रूप में देखने लगते हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए भाषा और व्याकरण के जटिल नियमों को बोझिल शब्दावली में नहीं, बल्कि अत्यंत सरल और रोचक शब्दों में बच्चों तक पहुँचाना ही हमारा प्रयत्न है।

हमारी कोशिश है कि बच्चों के लिए पढ़ाई एक अनायास और आनंददायक खेल बन जाए। उन्हें रटने की जरूरत न पड़े और आज के सीखे हुए पाठ जीवन भर उनके काम आएँ।

व्याकरणिक बिंदुओं को अधिकाधिक सचित्र रूप में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही उदाहरणों के माध्यम से सक्रियता को बढ़ावा दिया गया है। व्याकरण के विभिन्न अभ्यासों में बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश करके रोचकता का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। अभ्यास के लिए (हेतु) प्रश्नों के विविध रूपों का समायोजन किया गया है, इससे प्रश्नों की एकरूपता से होने वाली नीरसता से बचा जा सकेगा।

यह व्याकरण शृंखला बच्चों के न केवल समुचित विकास में बल्कि उनकी अवलोकन एवं विश्लेषण करने की क्षमता के विकास में भी अपनी सार्थकता अधिक सशक्त ढंग से प्रमाणित कर पाएगी।

इस शृंखला को और अधिक उपयोगी एवं परिष्कृत बनाने हेतु आपकी सभी प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों का स्वागत है।

अनेक शुभकामनाओं सहित यह पुस्तक आपको समर्पित है।

-लेखक

पाठ मूल्यांकन

पाठ संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या	सरल परिभाषाएँ	हम जान गए	विशेष गतिविधियाँ
1.	हमारी भाषा	5-9	भाषा की परिभाषा एवं इसके रूप	भाषा का रूप, सीखने का क्रम एवं लिपियाँ	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
2.	वर्णमाला	9-12	वर्ण एवं वर्णमाला की परिभाषा	वर्ण के भेद, संयुक्ताक्षर एवं आगत	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
3.	मात्राएँ	13-16	मात्रा की सरल परिभाषा, स्वरों की मात्राएँ	स्वरों से मात्रा निर्माण एवं र के विभिन्न रूप	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
4.	संज्ञा, लिंग और वचन	17-27	संज्ञा, लिंग और वचन की परिभाषा	संज्ञा, लिंग और वचन के भेद	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
5.	सर्वनाम	28-30	सर्वनाम की परिभाषा	संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
6.	विशेषण	31-34	विशेषण की परिभाषा	विशेषण और विशेष्य	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
7.	क्रिया	35-38	क्रिया की परिभाषा	क्रिया और क्रिया का काल	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
8.	विराम-चिह्न	39-42	विराम-चिह्न की परिभाषा	विराम-चिह्नों के प्रकार एवं प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
9.	मुहावरे	43-45	मुहावरे की परिभाषा	विभिन्न मुहावरों के प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
10.	विलोम शब्द	46-48	विलोम शब्द की परिभाषा	विभिन्न शब्दों के विपरीतार्थक शब्द	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
11.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	49-50	सरल परिभाषा	अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
12.	अनेकार्थक शब्द	51-52	सरल परिभाषा	प्रमुख अनेकार्थक शब्द	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
13.	पर्यायवाची शब्द	53-55	सरल परिभाषा	समानार्थी शब्द	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
14.	रचनात्मक गतिविधियाँ	56-72	संवाद-लेखन अपठित गद्यांश चित्र-वर्णन अनुच्छेद-लेखन पत्र-लेखन सामान्य अशुद्धियाँ दिनों के नाम महीनों के नाम संख्या	वार्तालाप अध्ययन चित्र देखकर वर्णन करना लेख लिखना औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र अशुद्ध को शुद्ध करना सामान्य ज्ञान सामान्य ज्ञान सामान्य ज्ञान	प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य

आदर्श प्रश्न-पत्र I 73-74

आदर्श प्रश्न-पत्र II 75-76

1 हमारी भाषा

आपने तरह-तरह के जीव-जंतु देखे होंगे। समय-समय पर उन्हें आवाज़ें निकालते हुए भी सुना होगा। चिड़ियाँ **चीं-चीं** करके चहकती हैं। बंदर **खीं-खीं** करके एक-दूसरे से कुछ कहते हैं। कुत्ता **भौं-भौं** करके भौंकता है और बिल्ली **म्याऊँ-म्याऊँ** करके कुछ बोलती है। क्या आप उनकी बात समझते हैं? नहीं। हम भी पहले इसी तरह अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाते थे। हमने धीरे-धीरे सुनकर समझना शुरू किया और फिर बोलना शुरू किया। आज हम तरह-तरह से अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाते हैं।

इस प्रकार सभी प्राणी अपने मुख से ध्वनि निकालकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं।

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए–

सुनकर

बोलकर

पढ़कर

लिखकर

आपने देखा कि अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने के लिए किसी न किसी ध्वनि-संकेत का सहारा लेना पड़ता है। इसलिए–

अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने के लिए हम जिस साधन को अपनाते हैं, उसे **भाषा** कहते हैं।

भाषा के रूप

मौखिक

लिखित

1. **मौखिक–** जब हम बोलकर अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तो उसे भाषा का **मौखिक** रूप कहते हैं।

2. **लिखित–** जब हम लिखकर अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तो उसे भाषा का **लिखित** रूप कहते हैं।

भाषा का अन्य रूप–

- संकेतों के द्वारा भी हम अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचाते हैं, किंतु इसे भाषा नहीं माना जा सकता है, क्योंकि सभी बातें केवल संकेत के द्वारा दूसरों तक नहीं पहुँचाई जा सकती हैं।

भारत में अनेक भाषाएँ बोली और लिखी जाती हैं। भाषा के लिखने के लिए जिन संकेतों का प्रयोग किया जाता है, उसे **लिपि** कहते हैं।

कुछ भाषाएँ और उनकी लिपियाँ–

हिंदी – देवनागरी, अंग्रेज़ी – रोमन, उर्दू – फ़ारसी, पंजाबी – गुरुमुखी, मलयालम – खरोष्ठी

यह भी जानें

- हम पहले सुनते हैं, फिर बोलते हैं। उसके बाद पढ़ना सीखते हैं और अंत में लिखना।
- भाषा का पहला रूप बोली होता है।
- हिंदी, संस्कृत और मराठी भाषा की लिपि देवनागरी है।
- हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाया जाता है।

आओ पढ़ें–

बुरा मत देखो।

बुरा मत सुनो।

बुरा मत बोलो।

अब हम जान गए–

- अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने वाले साधन को भाषा कहते हैं और उसके लिखने के ढंग को **लिपि**।
- भाषा को सीखने का सही क्रम है–सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना।
- प्रत्येक भाषा की अपनी एक लिपि होती है।
- हिंदी **देवनागरी लिपि** में लिखी जाती है।

गाते-गाते

यहाँ से बात को वहाँ पहुँचाए,
वही साधन भाषा कहलाए।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

सही विकल्प का गोला (◯) भरकर उत्तर दीजिए–

1. लिपि की आवश्यकता होती है–

   (क) बोलने में ◯ (ख) लिखने में ◯

   (ग) दोनों में ◯ (घ) किसी में नहीं ◯

2. हम भाषा सीखते हैं–

   (क) सुनकर और बोलकर ◯ (ख) पढ़कर और लिखकर ◯

   (ग) सुनकर, बोलकर, पढ़कर और लिखकर ◯ (घ) केवल देखकर ◯

3. भाषा सीखने का सही क्रम है–

   (क) सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना ◯ (ख) पढ़ना, लिखना, सुनना और बोलना ◯

   (ग) बोलना, पढ़ना, सुनना और लिखना ◯ (घ) इनमें से कोई नहीं ◯

सोचो और बताओ–

1. रिक्त स्थान में उचित शब्द भरिए–

(क) विचारों के आदान-प्रदान के साधन को .... कहते हैं। (लिपि/भाषा)

(ख) भाषा के दो रूप हैं, मौखिक और .... । (लिखित/पठित)

(ग) लिखने के लिए प्रयोग होने वाले संकेतों को .... कहते हैं। (बोली/लिपि)

2. पढ़िए और लिखिए–

हरी–भरी धरती है इसकी, ...

हरे–भरे हैं खेत, ...

कहीं पर बारिश रोज़ है होती, ...

कहीं पर उड़ता रेत, ...

ऐसा देश हमारा, ...

सारी दुनिया से न्यारा। ....

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Naturalistic
  प्रकृति–प्रेम

3. एक सीढ़ी पर भाषाएँ लिखी हैं और दूसरी पर लिपियाँ, उनका सही मिलान कीजिए–

भाषाएँ	लिपियाँ
पंजाबी	देवनागरी
उर्दू	रोमन
हिंदी	फ़ारसी
अंग्रेज़ी	गुरुमुखी

खेल–खेल में–

नोट के ऊपर देवनागरी लिपि में लिखे हुए शब्दों पर गोला लगाइए–

2 वर्णमाला

टन-टन

ढम-ढम

पा-पा

ऊपर दिए हुए चित्रों में घंटा 'टन-टन' की आवाज़ निकाल रहा है, ढोल 'ढम-ढम' की आवाज़ निकाल रहा है तथा बालक 'पा-पा' कह रहा है। 'टन-टन', 'ढम-ढम' और 'पा-पा' सभी आवाज़ें ध्वनियाँ हैं। लड़का बोल रहा है—'पा-पा'। इसलिए जब मुख से निकली ध्वनि बोलकर या लिखकर प्रकट की जाती है, तो उसे 'वर्ण' कहते हैं। अत:-

मुख से निकली छोटी से छोटी ध्वनि **वर्ण** कहलाती है।

वर्ण के भेद

वर्ण के दो भेद होते हैं— **1. स्वर** **2. व्यंजन**

1. **स्वर—** स्वर का उच्चारण करने में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है।
   - हिंदी में 11 स्वर होते हैं।
   - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ हिंदी के स्वर हैं।
   - स्वर के बिना कोई भी व्यंजन पूरा नहीं होता है।
2. **व्यंजन—**
   - हिंदी में व्यंजनों की संख्या 33 होती है।
   - व्यंजनों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।
   - स्वर के बिना व्यंजन में हलंत (्) लगता है, उसे 'आधा अक्षर' भी कहते हैं।

सभी स्वरों एवं व्यंजनों को मिलाकर हिंदी की वर्णमाला बनती है।

नीचे दी गई वर्णमाला को ध्यान से देखिए–

स्वर– अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन–

क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			

संयुक्त अक्षर– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

आगत – ऑ, फ़

यह भी जानें

- प्रत्येक भाषा में वर्णों का एक निश्चित क्रम होता है। क्रम से लिखे गए ऐसे समूह को वर्णमाला कहते हैं।
- संयुक्त अक्षरों में एक से अधिक वर्ण होते हैं; जैसे–

  क्ष – क् + ष् + अ   त्र – त् + र् + अ

  ज्ञ – ज् + ञ् + अ   श्र – श् + र् + अ
- हिंदी में स्वर एवं व्यंजनों के अतिरिक्त भी वर्ण हैं–

  अं – अनुस्वार   अँ – अनुनासिक   अः – विसर्ग

  ड़, ढ़ – वर्णमाला में न होते हुए भी हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं।

  ण, फ़ – नुक्ता वाले आगत वर्ण

अब हम जान गए–

- मुख से निकली छोटी-से-छोटी ध्वनि को 'वर्ण' कहते हैं।
- वर्ण के दो भेद हैं– स्वर एवं व्यंजन।
- प्रत्येक व्यंजन स्वर के बिना पूरा नहीं होता है।
- 'ऋ' एक स्वर है। इसका उच्चारण 'रि' के समान होता है।

गाते-गाते

मुख से ध्वनि बाहर आए,
वही ध्वनि वर्ण कहलाए।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

सही विकल्प का गोला (◯) भरकर उत्तर दीजिए–

1. कौन, किसकी सहायता से बोला जाता है?
   (क) स्वर व्यंजन की ◯ (ख) व्यंजन स्वर की ◯
   (ग) दोनों ठीक हैं ◯ (घ) दोनों गलत हैं। ◯
2. स्वर एवं व्यंजन को क्रम से लिखने पर–
   (क) वर्णमाला बनती है। ◯ (ख) स्वर माला बनती है। ◯
   (ग) व्यंजन माला बनती है। ◯ (घ) पाठ माला बनती है। ◯
3. संयुक्त अक्षर में होते हैं–
   (क) एक से अधिक स्वर ◯ (ख) एक से अधिक व्यंजन ◯
   (ग) दोनों ◯ (घ) इनमें से कोई नहीं ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Spatial
  वास्तुकला

सोचो और बताओ–

1. निम्नलिखित शब्दों को बोल-बोल कर पढ़िए और उनके वर्णों को समझिए–

कक्षा

छात्रा

ढक्कन

बाढ़

घड़ी

डमरू

हंस

हँस

2. नीचे लिखे वर्णों में से स्वर एवं व्यंजन छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

क, ख, ऋ, ट, आ, ऐ, ण, त, श, अ, इ, ऊ, ओ, अ, च, ड़

स्वर	व्यंजन
....	....
....	....
....	....

3. उचित वर्ण लगाकर शब्द पूरा कीजिए–

..........र

..........क्षा

..........दमी

खेल-खेल में–

1. पतंगों में छूटे हुए वर्णों को भरिए–

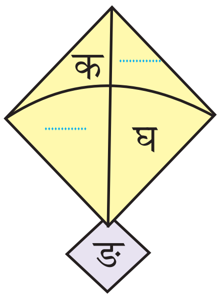

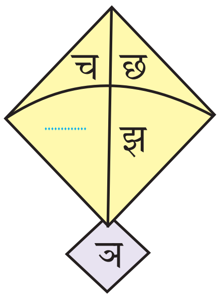

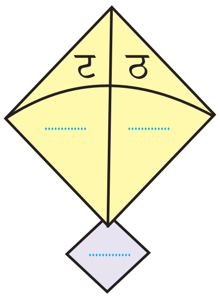

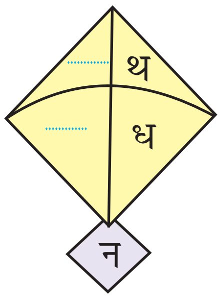

2. आपके नाम का पहला वर्ण क्या है? उसी वर्ण से बना दूसरा नाम बताइए।

3 मात्राएँ

जब स्वर व्यंजन के साथ मिल जाते हैं, तो उनका रूप बदल जाता है। स्वरों का वह बदला हुआ रूप ही **मात्रा** कहलाता है।

नीचे दिए गए शब्दों को ध्यान से देखिए–

क् + अ + म् + अ + ल् + अ = कमल

क + म + ल = कमल

कमल में आए अक्षरों के साथ 'अ' स्वर है, किंतु 'अ' की कोई मात्रा न होने के कारण वह दिखाई नहीं देता है।

क् + ओ + म् + अ + ल् + अ = कोमल

को + म + ल = कोमल

उपर्युक्त शब्द में 'ओ' स्वर की मात्रा (ो) है, इसलिए यह मात्रा अलग से दिखाई दे रही है।

निम्नलिखित रंगीन मात्राओं को ध्यान से देखिए–

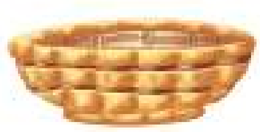

टोकरी

तितली

तोता

किताब

सेब

उपर्युक्त शब्दों में 'अ' स्वर की कोई मात्रा दिखाई नहीं दे रही है, क्योंकि 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती है। अन्य स्वरों की मात्राएँ स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। अतः–

प्रत्येक स्वर का निश्चित चिह्न **मात्रा** कहलाता है।

यह भी जानें

- स्वर की मात्राएँ अक्षरों के आधार में या उसके साथ लगती हैं। जैसे–स = सा, से, सु, सो, सै
- जिन अक्षरों में आधार नहीं होता है, उनमें 'उ' या 'ऊ' की मात्रा पीठ में लगती है। जैसे–र = रु, रू
- 'ऋ' एक स्वर है, इसकी मात्रा अक्षर के नीचे लगती है– पृथ्वी, गृह, नृप, शृंगार

नीचे दी गई तालिका को ध्यान से देखिए–

स्वर	मात्रा	व्यंजन	मात्रा के साथ	शब्द में प्रयोग
अ	–	क्	क् + अ = क	कल
आ	ा	क्	क् + आ = का	काल
इ	ि	क्	क् + इ = कि	किताब
ई	ी	क्	क् + ई = की	कील
उ	ु	क्	क् + उ = कु	कुमार
ऊ	ू	क्	क् + ऊ = कू	कूद
ऋ	ृ	क्	क् + ऋ= कृ	कृषक
ए	े	क्	क् + ए = के	केवल
ऐ	ै	क्	क् + ऐ = कै	कैमरा
ओ	ो	क्	क् + ओ = को	कोना
औ	ौ	क्	क् + औ = कौ	कौन

'र' का खेल

- 'र्' के साथ 'उ' या 'ऊ' की मात्रा, उसके आगे-पीछे या ऊपर-नीचे न लगकर, उसकी पीठ में लगती है; जैसे–रुपया, अमरूद।
- आधा 'र' अगले अक्षर के ऊपर चला जाता है; जैसे– शर्म = शर्म। इसे **रेफ़** भी कहते हैं।
- आधे अक्षर के साथ पूरा 'र' उस अक्षर के नीचे चला जाता है; जैसे– प् + र = प्र (प्रश्न), इसे **पदेन** भी कहते हैं।
- 'ट' वर्ग में 'र' आधे अक्षर के साथ इस प्रकार (्र) लिखा जाता है; जैसे–ट् + र = ट्र (ट्रक)
- 'र्' एक व्यंजन है, इसकी कोई मात्रा नहीं होती है; किंतु आधे अक्षर के साथ या स्वयं आधे 'र' के कारण वह मात्रा की तरह लगता है; जैसे –द्रव, दुर्गुण आदि।

अब हम जान गए–

- मात्राएँ स्वरों की होती हैं, व्यंजनों की नहीं।
- 'अ' स्वर है, परंतु इसकी कोई मात्रा नहीं होती है।
- 'ऋ' वर्णमाला का सातवाँ स्वर है। इसकी मात्रा (ृ) होती है। इसका उच्चारण 'रि' के समान होता है।

गाते-गाते

सभी स्वरों की होती मात्रा,
'अ' स्वर है पर न कोई मात्रा।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

सही मात्रा लगे शब्द का गोला (◯) भरिए–

1. (क) गुलाल ◯ (ख) गूलाल ◯ (ग) गोलाल ◯
2. (क) प्रथ्वी ◯ (ख) पृथ्वी ◯ (ग) पिरथवी ◯
3. (क) औरत ◯ (ख) ओरत ◯ (ग) औरात ◯
4. (क) रुमाल ◯ (ख) रुमाल ◯ (ग) रूमाल ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Logical Mathematical
  तर्क-बुद्धि

सोचो और बताओ–

1. **चित्र पहचानिए और सही जगह पर मात्रा लगाकर शब्द बनाइए–**

सरज

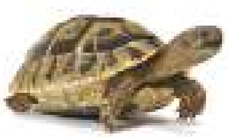
कछआ

एनक

कषक

2. **सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–**

(क) .... सीमा पर लड़ रहा है। (सैनिक/सेनिक)

(ख) मैं पानी .... हूँ। (पीता/पिता)

(ग) शेर जंगल में .... रहा है। (घुम/घूम)

खेल-खेल में–

1. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उनमें लगी मात्राओं का वर्ण लिखिए–

मुँह	उ	पैर	....	नाक	....
जीभ	....	भौंह	....	मूँछ	....
पेट	....	होंठ	....		

2. कुछ पर्चियाँ बनाकर उन पर दो-दो वर्ण लिखें। बच्चे एक-एक करके पर्ची उठाएँ और उस पर लिखे वर्णों में मात्रा लगाकर दो नए शब्द बनाएँ।

जैसे–

क	ल	– केला – कला	ल	त	– लता – लात
प	न	– पानी – पान	त	ल	– तेल – तिल

4 संज्ञा

साइकिल घर थैला किताब सड़क पेड़ पलक आम आदमी दस रुपये तीन आम

चित्रों के नाम बोलकर कहानी पढ़िए–

पलक से आ रही थी। उसके पास एक था। उसमें रखी थीं। वह पर चला रही थी। के दोनों ओर हरे-भरे थे। ने पर लगे देखे। उसने रोकी। वहाँ एक 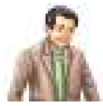 भी था। वह के किनारे बेच रहा था। 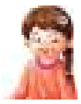 ने निकाल कर बेचने वाले को दे दिए। आदमी ने पलक को दे दिए। वह बहुत खुश हुई। उसने खोला। उसमें 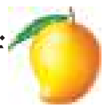 रखे। पर चढ़ी और को चली गई।

इस कहानी में कई चित्र दिए गए हैं। उन चित्रों का कोई न कोई नाम है। सभी जीव-जंतुओं और वस्तुओं के नाम होते हैं। सभी नाम संज्ञा कहलाते हैं।

नीचे दिए गए कुछ चित्र और देखिए, उनके भी नाम हैं–

जीव-जंतुओं के नाम–

घोड़ा

साँप

स्थानों के नाम–

अस्पताल

विद्‌यालय

व्यक्तियों के नाम–

महात्मा गाँधी

भगत सिंह

वस्तुओं के नाम–

फल

कमीज़

किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।

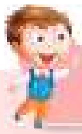

यह भी जानें

- कुछ नाम ऐसे भी होते हैं जो न वस्तु होते हैं, न स्थान और न ही व्यक्ति। वे सभी नाम भी संज्ञा होते हैं। जैसे– **हवा** चल रही है। **भगवान**! मेरी रक्षा करो। क्या आपने **भूत** देखा है?
  उपर्युक्त तीनों रंगीन शब्द भी संज्ञा कहलाएँगे। भले ही हम उन्हें देख न सकें, किंतु इनके नाम अवश्य हैं।
- अतः
  - नाम को संज्ञा कहते हैं।
  - प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु या स्थान का नाम अवश्य होता है।

संज्ञा के तीन भेद हैं– **1. व्यक्तिवाचक** **2. जातिवाचक** **3. भाववाचक**

व्यक्तिवाचक संज्ञा– जिस नाम के अन्य रूप न हों, उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे– सुभाषचंद्र बोस, मदर टेरेसा, ताजमहल आदि।

सुभाषचंद्र बोस

मदर टेरेसा

ताजमहल

जातिवाचक संज्ञा– जिस नाम के अन्य रूप हों, उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे– पुरुष, महिला, लड़का आदि।

पुरुष

महिला

लड़का

भाववाचक संज्ञा– जिस नाम को भावों से महसूस किया जाए, किंतु देखा न जा सके; उसे **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे– मिठास, सच्चाई, बचपन आदि।

हरियाली

घबराहट

रसीला

यह भी जानें

- भाववाचक संज्ञा नामों को महसूस किया जा सकता है, किंतु देखा नहीं जा सकता है।
- भाववाचक संज्ञा अन्य शब्दों की सहायता से बनती है। जैसे– बच्चा से बचपन, लड़ना से लड़ाई, पढ़ना से पढ़ाई, मीठा से मिठास आदि।

अब हम जान गए–

- प्रत्येक वस्तु के नाम को संज्ञा कहते हैं।
- जो नाम दिखाई नहीं देते हैं, वे भी संज्ञा होते हैं। जैसे–ईश्वर, हवा, भूत आदि।

तेरा नाम मेरा नाम,
संज्ञा सारे होते नाम।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

कोई जगह या इमारत भी व्यक्तिवाचक संज्ञा होती है। उस शब्द का गोला (◯) भरिए–

1. (क) घर ◯ (ख) अस्पताल ◯
   (ग) दिल्ली ◯ (घ) महानगर ◯
2. (क) महल ◯ (ख) किला ◯
   (ग) मीनार ◯ (घ) कुतुबमीनार ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम
- Spatial
  वास्तुकला

सोचो और बताओ–

1. नीचे कुछ संज्ञा शब्द दिए हैं, उन्हें अलग-अलग टोकरी में लिखिए–

गणेश, रमेश, पूजा, फूल, मैदान, वन, नमिता, अलका, आइसक्रीम, मेज़, हवाई जहाज़, घबराहट, सुंदरता, मिठास, बेईमानी, ठंडक

व्यक्तिवाचक **जातिवाचक** **भाववाचक**

2. आप अपने घर से विद्यालय के बीच बहुत-सी चीज़ों को देखते हैं। किन्हीं आठ चीजों के नाम लिखिए–

....

....

खेल-खेल में–

1. कहानी पढ़िए और संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए–

एक जंगल था। उसमें एक शेर रहता था। वहाँ और भी कई जीव-जंतु रहते थे। जैसे–खरगोश, हिरन, सियार, साँप, कबूतर, चिड़िया, लोमड़ी आदि। एक दिन एक आदमी उस जंगल से गुज़रा। उसने सभी जानवर देखे, किंतु उसे शेर दिखाई नहीं दिया। सारे जंगल में हरियाली थी। जगह-जगह फूल खिले थे। वह जंगल की सुंदरता पर मोहित हो गया। वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया। वातावरण में मिठास थी। उसे नींद आ गई। वह वहीं सो गया। अचानक सरसराहट हुई। उसकी आँखें खुलीं, तो देखा कि एक शेर हिरन के पीछे भागा जा रहा था। वह शेर देखकर डर गया। वह चुपचाप उठा और अपने घर चला गया।

....

....

....

2. नीचे दिए गए घर में क्या-क्या सामान होगा? सूची बनाकर बताइए।

....

....

....

....

लिंग

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए और अंतर समझिए–

लड़का लड़की

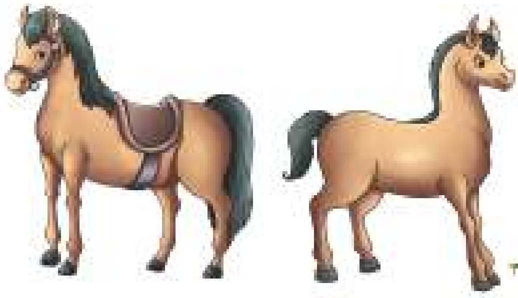

घोड़ा घोड़ी

मोर मोरनी

ऊपर दिए गए प्रत्येक चित्र में दो-दो प्राणी हैं। लड़का-लड़की, घोड़ा-घोड़ी और मोर-मोरनी। प्रत्येक चित्र में दोनों प्राणियों के अलग-अलग रूप दिखाई दे रहे हैं।

- रूप देखकर हम लिंग की पहचान कर सकते हैं।
- लिंग दो होते हैं– पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।
- लड़का, घोड़ा और मोर पुल्लिंग हैं तथा लड़की, घोड़ी और मोरनी स्त्रीलिंग हैं।

पुरुष जाति की पहचान कराने वाले शब्द **पुल्लिंग** कहलाते हैं; जैसे–चूहा, बालक, सेठ आदि। वहीं स्त्री जाति की पहचान कराने वाले शब्द **स्त्रीलिंग** कहलाते हैं; जैसे–चुहिया, बालिका, सेठानी आदि।

अन्य उदाहरण–

दादा

दादी

पुत्र

पुत्री

चूहा

चुहिया

सेठ

सेठानी

शेर

शेरनी

नाना

नानी

यह भी जानें

- ब्रह्मपुत्र नदी को छोड़कर सभी नदियाँ स्त्रीलिंग होती हैं।
- सभी भाषाओं के नाम भी स्त्रीलिंग होते हैं।
- कुछ शब्दों के लिंग नहीं बदलते हैं। जैसे–भालू, तोता, कौवा, सियार आदि पुल्लिग हैं तथा मैना, लोमड़ी, चील आदि स्त्रीलिंग हैं। इसलिए इन्हें अलग-अलग करने के लिए शब्द से पहले नर या मादा लगाते हैं। जैसे–मादा भालू, नर मैना आदि।
- सभी पद पुल्लिग होते हैं; जैसे–इंज़ीनियर, प्रधानमंत्री, पत्रकार, राष्ट्रपति आदि।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

सही विकल्प का गोला (◯) भरकर उत्तर दीजिए–

1. पुल्लिग शब्द है–
   (क) नर्मदा ◯ (ख) यमुना ◯ (ग) ब्रह्मपुत्र ◯
2. 'तोता' शब्द में कौन-सा लिंग है?
   (क) पुल्लिग ◯ (ख) स्त्रीलिंग ◯ (ग) दोनों ◯
3. 'भालू' शब्द का स्त्रीलिंग है?
   (क) भाली ◯ (ख) भालिन ◯ (ग) लिंग नहीं बदलेगा ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1. **लिंग बताइए–**

तोता .... पुल्लिंग .... है। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

गंगा .... है। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

राष्ट्रपति .... है। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

गाय .... है। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

दही .... है। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

2. **लिंग बताइए–**

लेखक – लेखिका

चाचा – ....

ताऊ – ....

घोड़ा – ....

बाघ – ....

खेल-खेल में–

1. कक्षा में दो समूह बनाएँ। जैसे–लड़कों का समूह और लड़कियों का समूह। एक समूह का सदस्य कोई शब्द बोलेगा तथा दूसरे समूह का सदस्य उसका लिंग बदलकर बताएगा। सही उत्तर बताने पर तीन अंक जोड़ें तथा गलत उत्तर बताने पर एक अंक कम करें। सबसे अधिक अंक पाने वाले समूह को विजयी घोषित करें।

2. **इस पेड़ के अंगों के नाम पढ़कर बताएँ कि वे पुल्लिंग हैं या स्त्रीलिंग?**

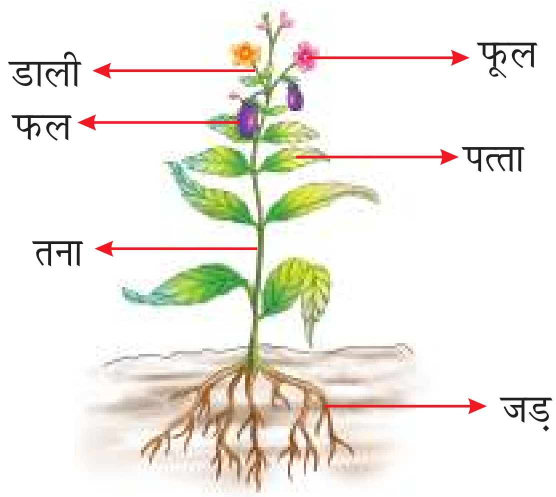

वचन

बच्चो! यह एक सुंदर उपवन है। इसमें बहुत सारी चीज़ें हैं। इसमें एक तालाब भी है। देखो! उसमें अनेक मछलियाँ हैं। इस तालाब को दूर से ही देखो। इसमें एक मगरमच्छ भी है। चलो, उधर चलते हैं। वहाँ पर बहुत फूल खिले हैं। वह देखो! कितना बड़ा सेब का पेड़। उस पर तोता चुपचाप बैठा है। ध्यान से देखो। दूसरी डाल पर उसके तीन बच्चे भी हैं। हाँ-हाँ, वह है तोता और वे हैं उसके बच्चे। चलो, अब वहाँ चलें। देखो, बच्चे खेल रहे हैं। एक बच्चा झूल रहा है। दो बच्चे मछलियाँ देख रहे हैं। बच्चो, बताओ कि ऊपर दिए गए चित्र में क्या-क्या अनेक है और क्या-क्या एक है।

शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या का पता चले, उसे **वचन** कहते हैं।

वचन के दो भेद हैं—**एकवचन** तथा **बहुवचन**।

एक संख्या वाला रूप **एकवचन** कहलाता है और एक से अधिक संख्या वाला रूप बहुवचन कहलाता है।

एकवचन (एक)		**बहुवचन (अनेक)**	
	पुस्तक	पुस्तकें	
	चिड़िया	चिड़ियाँ	

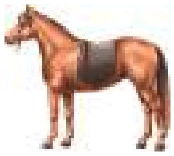 घोड़ा — घोड़े

रोटी — रोटियाँ 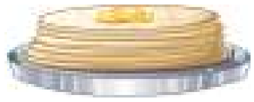

तितली — तितलियाँ

खिलौना — खिलौने

यह भी जानें

- कुछ शब्द हमेशा एकवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। जैसे—पानी, भीड़, जनता, सोना, तेल, बारिश आदि।
  - क्षण भर में भीड़ आ गई।
  - सारा पानी बह गया।
- कुछ शब्द हमेशा बहुवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। जैसे—हस्ताक्षर, दर्शन, प्राण, आँसू आदि।
  - अपने हस्ताक्षर कीजिए।
  - आपके दर्शन हो गए।
- बड़े लोगों को आदर देने के लिए वाक्य में एकवचन का प्रयोग बहुवचन की तरह होता है।
  - भगवान! मेरी रक्षा करें।
  - मंत्री जी मंच पर आ गए हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

सही विकल्प का गोला (◯) भरिए—

1. सदा बहुवचन के रूप में प्रयोग होने वाला शब्द है—

   (क) आँसू ◯ (ख) आँख ◯ (ग) पानी ◯

2. सदा एकवचन के रूप में होता है—

   (क) हस्ताक्षर ◯ (ख) प्राण ◯ (ग) सोना ◯

3. 'चिड़िया' का बहुवचन है—

   (क) चिड़ा ◯ (ख) चिड़ियाँ ◯ (ग) चिड़ियाएँ ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1. एकवचन को बहुवचन से मिलाइए–

2. नीचे दिए गए एकवचन वाले शब्दों के बहुवचन (अनेक) रूप लिखिए–

चींटी	–	चींटियाँ	बगीचा	–	....
बकरी	–	....	बालिका	–	....
स्त्री	–	....	रानी	–	....
दवाई	–	....	पतंग	–	....
केला	–	....	माला	–	....
दीवार	–	....	छात्रा	–	....

खेल-खेल में–

मिलकर गाएँ–

सूरज एक, चंदा एक,
आसमान में तारे अनेक।
मम्मी एक, पापा एक,
भाई-बहन हम हैं अनेक।
मैदान एक, गेंद एक,
उसमें बच्चे खेलें अनेक।
थैला एक, पुस्तक एक,
उसमें प्यारे पाठ अनेक।

5 सर्वनाम

हेमा और जिज्ञासा दो बहनें हैं। हेमा और जिज्ञासा एक साथ पढ़तीं हैं। हेमा और जिज्ञासा को खो-खो खेलना बहुत पसंद है।

ऊपर लिखे वाक्यों में हेमा और जिज्ञासा का नाम बार-बार आया है।

ऊपर दिए गए वाक्यों को इस प्रकार भी लिखा जा सकता है-

हेमा और जिज्ञासा दो बहनें हैं। **वे** एक साथ पढ़तीं हैं। **उन्हें** खो-खो खेलना बहुत पसंद है।

बच्चो, आपने देखा कि हेमा और जिज्ञासा के स्थान पर **वे** तथा **उन्हें** शब्दों का प्रयोग किया गया है। इनके प्रयोग से हेमा और जिज्ञासा शब्द बार-बार कहने या लिखने की आवश्यकता नहीं पड़ी। यहाँ 'हेमा' और 'जिज्ञासा' संज्ञा शब्द हैं। संज्ञा शब्दों के स्थान पर 'वे' तथा 'उन्हें' शब्दों के प्रयोग से वाक्यों की सुंदरता बढ़ गई है। संज्ञा के स्थान पर आने वाले यही शब्द सर्वनाम होते हैं। अतः-

संज्ञा की जगह प्रयोग होने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं। जैसे-वह, यह, मैं, तुम, आप, वे, उन्हें, उसे आदि।

यह भी जानें

- कौन, क्या, कोई आदि शब्द भी सर्वनाम होते हैं।
- अपने लिए मैं, हम, मेरा, हमारे, मुझे आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
- संज्ञा के समान ही सर्वनाम भी एकवचन या बहुवचन के रूप में होते हैं। जैसे-मैं, इन्हें, उन्हें, उन्होंने, आप, हम, ये आदि बहुवचन के रूप में प्रयोग होने वाले सर्वनाम हैं।
- जिससे बात की जाती है, उसके स्थान पर आप, तुम, तुम्हारा, तुम्हें आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
- किसी अन्य के लिए वह, वे, उन्हें, उनका, उन्होंने आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

संकेत

सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कराते हुए बच्चों से उनका परिचय जानें। बच्चों द्वारा अपना परिचय देते समय प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम शब्दों पर चर्चा करें।

गाते-गाते

किसी वाक्य में आती संज्ञा,
अपना नाम बताती।
सर्वनाम जैसे ही आता;
फट संज्ञा हट जाती।

अब हम जान गए—

- संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं।
- सर्वनाम भी एकवचन या बहुवचन के रूप में होते हैं।
- वाक्य के अनुसार ही सही सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।
- मैं, तुम, आप, वे, वह, उन्हें, उन्होंने, इन्हें, अपना, उनका, इन्होंने, हम, कौन आदि सर्वनाम शब्द हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे दिए गए सर्वनाम शब्दों को पहचान कर उनका गोला (◯) भरिए—

1. कार्तिक ◯ वह ◯ दोनों ◯
2. सुबह ◯ उन्हें ◯ पढ़ना ◯
3. वे ◯ विद्यालय ◯ आकाश ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

सोचो और बताओ—

1. **खाली जगह में उचित सर्वनाम शब्द भरिए—**

हरिद्वार गंगा नदी के तट पर बसा हुआ नगर है। .... एक धार्मिक स्थल है। .... लाखों लोग आकर गंगा नदी में स्नान करते हैं। .... स्नान करके पुण्य कमाते हैं। .... स्थल पर कुंभ का मेला भी लगता है। .... बारह साल में एक बार लगता है।

2. **सूची 'अ' का मिलान सूची 'ब' से कीजिए–**

'अ'	'ब'
प्रतिज्ञा	माता–पिता बहुत अच्छे हैं।
वह	रस्सी कूद रही है।
उसके	प्रतिदिन व्यायाम करती है।
उन्हें	व्यायाम करके स्वस्थ रहते हैं।
हम	व्यायाम करने वाले बच्चे अच्छे लगते हैं।

3. **चित्र देखकर वर्णन कीजिए और उसमें प्रयोग होने वाले सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए–**

....

....

....

....

खेल-खेल में–

1. **वर्ग-पहेली–**

सर्वनाम शब्द ढूँढकर लिखिए–

हम ....

....

....

....

तु	वे	ह	तु	न्हें	उ	र	प
ह	म	स	उ	स	के	य	ह
मैं	में	न	स	से	ल	स	क
स	का	तु	का	प	आ	प	का

2. **सर्वनाम शब्दों पर गोला लगाइए–**

कार्तिक तीसरी कक्षा में पढ़ता है। वह सुबह उठकर सैर करने जाता है।
उसके विद्यालय में बहुत बच्चे पढ़ते हैं। वे मिलजुलकर रहते हैं।
उन्हें साथ–साथ खेलना अच्छा लगता है।

6 विशेषण

छोटे बच्चे बड़े बाज़ार से रंग-बिरंगी पतंगें खरीदकर लाए। एक बच्चे ने पीली पतंग में डोरी बाँधी। काली और सफ़ेद पतंग पुलकित ने पकड़ ली। विक्की ने पतला माँझा गोल चरखी में लपेटा। बच्चे बड़ी छत पर पतंग उड़ाने लगे। आकाश नीला था। ठंडी हवा चल रही थी। देखते ही देखते पीली पतंग नीले आकाश को चीरती चली गई और नीले आसमान में झूमने लगी।

अध्यापिका बच्चों से जानें कि कौन, कैसा था?

बच्चे – छोटे	बाज़ार – बड़ा	माँझा – पतला	चरखी – गोल
छत – बड़ी	आकाश – नीला	पतंगें – रंग-बिरंगी	हवा – ठंडी

बच्चो, यहाँ प्रत्येक वस्तु की कोई न कोई विशेषता बताई गई है। जैसे–आकाश नीला था, माँझा पतला था आदि। वस्तुओं की विशेषता बताने वाले ये सभी शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण** कहते हैं।

अन्य विशेषण शब्द –

अच्छा	बहुत	बुरा	बढ़िया	मोटा
दयालु	पतला	क्रोधी	थोड़ा	घना
विशाल	अधिक	एक	ऊँचा	दो
नीचा	लंबा	मीठा	गहरा	खट्टा
सुंदर	लाल	पीला	काला	लालची

यह भी जानें

विशेषण	स्वाद	मीठा, कड़वा, खट्टा, नमकीन आदि।
	आकार	मोटा, छोटा, पतला, चौड़ा आदि।
	गुण	अच्छा, बुरा, सुंदर, कोमल आदि।
	संख्याएँ	एक, दो, चार, आठ आदि।
	रंग	लाल, काला, नीला, पीला आदि।

- सभी स्वाद, आकार, गुण, संख्या और रंगों के नाम विशेषण के रूप में आते हैं।

  विशेषण– मीठा, कड़वा, पतली, बड़ा, लंबी आदि।

- जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उसे **विशेष्य** कहते हैं, जैसे–

  विशेष्य– फल, करेला, डोरी, पेड़, नदी आदि।

अब हम जान गए–

- विशेषण शब्द किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान की विशेषता बताते हैं।
- जिसकी विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।
- सभी स्वाद, आकार, गुण, रंग एवं संख्या बताने वाले शब्द विशेषण होते हैं।
- कैसा या कितना शब्द लगाकर मिलने वाला उत्तर विशेषण होता है।

गाते-गाते

आसमान था नीला-नीला ,
सिर पर सूरज पीला-पीला,
रंग-बिरंगे फूल खिले थे,
तोता-मैना यहीं मिले थे।
हवा चली थी खुशबूदार,
मीठे फल के पेड़ थे चार,
पतली डाली झूम रही थी,
नटखट चिड़ियाँ घूम रही थीं,
काली कोयल फट-फट आई,
मधुर गीत की तान सुनाई।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

सही विकल्प का गोला (◯) भरकर उत्तर दीजिए–

1. हिरन के सींग होते हैं–

   (क) बड़े ◯ (ख) विशाल ◯ (ग) छोटे ◯

2. कोयल गाती है–

   (क) कड़वा ◯ (ख) मधुर ◯ (ग) नमकीन ◯

3. तितलियाँ होती हैं–

   (क) रंग-बिरंगी ◯ (ख) दयालु ◯ (ग) भारी ◯

4. मेरा मित्र है–

   (क) समझदार ◯ (ख) गंदा ◯ (ग) ईर्ष्यालु ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Musical
  संगीत-प्रेम
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1. कौन, कैसा होता है? सही विशेषण शब्द लिखिए–

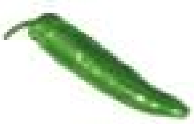
....

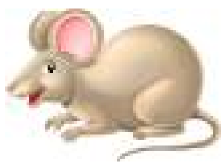
....

....

....

....

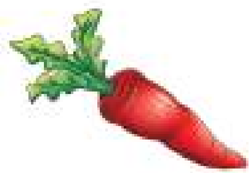
....

2. सही शब्द चुनकर भरिए–

(क) पतंग .... हैं। (दो / एक)

(ख) सब्जियाँ .... हैं। (हरी / बड़ी)

(ग) मुझे .... दूध चाहिए। (एक किलो / एक लीटर)

(घ) .... कौवा मेरी रोटी लेकर उड़ गया। (लालची / अच्छा)

3. चित्र देखकर उनकी दो-दो विशेषताएँ लिखिए-

....	....	....
....	....	....

खेल-खेल में-

1. (क) कक्षा में जितने बच्चे हैं, उतनी पर्चियाँ बना लें।
   (ख) पर्चियों में एक-एक विशेषण शब्द लिखकर छात्रों को एक-एक पर्ची दें। छात्र उस विशेषण का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाएँ।

2. अपने मित्र का नाम लिखकर उसके गुणों / अवगुणों को टोकरी से छाँटकर लिखिए-

मित्र का नाम : ....

विशेषण

गुण	अवगुण
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

7 क्रिया

फूल **हँसे** और भौंरा **गाए**,
हवा **चले** डाली **झुक जाए**।
सूरज अँधेरा दूर **भगाए**,
किरणें नई उमंग **जगाएँ**।
पंछी **गाते**, **उड़ते जाएँ**,
मीठा-सा एक **गीत सुनाएँ**।
आदमी **उठकर** काम पर **जाए**,
मेहनत **करके**, भोजन **खाए**।
सुबह सभी में चुस्ती **आए**,
सूरज सबको राह **दिखाए**।

जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध होता है, उसे **क्रिया** कहते हैं।

ऊपर लिखी पंक्तियों में हँसना, गाना, जागना, उड़ना, सुनना, सुनाना, उठना, खाना, दिखाना आदि शब्द क्रिया शब्द हैं। ये सभी शब्द किसी काम के करने या होने की जानकारी दे रहे हैं।

कुछ उदाहरण–

बच्चा **उछल रहा है**।

लड़कियाँ रस्सी **कूद रही हैं**।

माँ खाना **बना रही है**।

अन्य क्रिया शब्द –

मेरे चाचा जी डॉक्टर **हैं**।

बीरबल बहुत बुद्धिमान **था**।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'हैं' तथा 'था' किसी काम के करने की जानकारी तो नहीं देते, परंतु इनसे कुछ होने का पता चलता है। अत: ये शब्द भी 'क्रिया शब्द' हैं।

बच्चो, प्रत्येक क्रिया का कोई न कोई समय अवश्य होता है। व्याकरण में उसे 'काल' कहते हैं।

काल के तीन भेद होते हैं–

भूतकाल – वह दिल्ली **गया था**।

वर्तमान काल – वह दिल्ली **गया है**।

भविष्यत् काल – वह दिल्ली **जाएगा**।

अत: ये शब्द भी क्रिया शब्द हैं। इनसे किसी काम के समय का पता चल रहा है।

यह भी जानें

- क्रिया हमेशा वाक्य के अंत में आती है। क्रिया के बिना कोई वाक्य पूरा नहीं होता है। जैसे–मैं पुस्तक **पढ़ता हूँ**।
- क्रिया के साथ-साथ उसके काल का भी पता चलता है। वाक्य में क्रिया काल के अनुसार रूप बदलती है। जैसे–वह **रोया था**। वह **रो रहा है**।
- क्रिया शब्दों की पहचान अंत में लगे 'ना' से की जा सकती है। जैसे–हँसना, रोना, पढ़ना, लिखना, लड़ना, झगड़ना आदि।
- वैसे तो क्रिया हमेशा अंत में आती है लेकिन कवि, कविता के अनुसार इसका स्थान बदल देते हैं। जैसे–फूल हँसते हैं और भँवरे गाते हैं। कवि द्वारा – 'हँसते फूल और गाते भँवरे' कहा गया है।

अब हम जान गए–

- जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का पता चले उसे 'क्रिया' कहते हैं।
- था, है, होगा भी क्रिया शब्द हैं। इनसे काम के होने का पता चलता है।

गाते-गाते

वाक्य के अंत में आती क्रिया,
अपना काम बताती क्रिया।
सभी काम को करना क्रिया,
सभी काम का होना क्रिया।
पढ़ना, लिखना, हँसना क्रिया,
उछलना, कूदना, फँसना क्रिया।
रोना, धोना, सोना क्रिया,
गिरना, उठना, चलना क्रिया।
'हूँ', 'हैं', 'थे' और 'थी' भी क्रिया,
वाक्य के अंत में आती क्रिया।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित शब्दों में से जो क्रिया शब्द नहीं है, उसका गोला (◯) भरिए–

1.	(क) बैठना	◯	(ख) सोना	◯	(ग) सूरज	◯
2.	(क) घूमना	◯	(ख) जोतना	◯	(ग) मेज़	◯
3.	(क) तारा	◯	(ख) पढ़ना	◯	(ग) कूदना	◯
4.	(क) हँसना	◯	(ख) बारिश	◯	(ग) पकड़ना	◯
5.	(क) सोना	◯	(ख) अंदर	◯	(ग) भागना	◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Bodily Kinesthetic
  शारीरिक क्षमताएँ

सोचो और बताओ–

1. **नीचे दिए गए क्रिया शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

चलना – ....

लिखना – ....

पहनना – ....

नहाना – ....

हँसना – ....

2. चित्रों को देखकर उचित क्रिया शब्द लिखिए–

.... देखना ....

....

....

....

3. चित्र देखकर उनकी दो-दो विशेषताएँ लिखिए–

कक्षा में सभी बच्चे शांत **बैठे थे**। (बैठना)

(क) मानवी ने गाना .... । (सुनाना)

(ख) बच्चों ने पतंग .... । (उड़ना)

(ग) दादी हलवा .... रही है। (बनाना)

(घ) कौवा बहुत प्यासा .... । (था/थी/थे)

(ङ) मैं स्कूल में .... । (है, हूँ, हैं)

खेल-खेल में–

खाली वर्गों को भरकर क्रिया शब्द बनाइए–

प	ढ़			ना		ढो			
खा				ख	ना	बै			
जा			रो				ठ		
कू			हँ		ना	बि	खे		
सो			खे		ना	क			

8 विराम-चिह्न

ऊपर दिए गए संवादों को ध्यान से पढ़ें। आप उनमें कुछ रंगीन चिह्नों को देख रहे हैं, ये चिह्न ही 'विराम चिह्न' हैं। इनकी सहायता से हमें यह पता चलता है कि हमें बोलते या लिखते समय कहाँ पर और कितना रुकना है। विराम का अर्थ है—रुकना। अतः–

लिखते समय अपनी बात को सही प्रकार से समझाने के लिए हम जिन चिह्नों का प्रयोग करते हैं, वे चिह्न **विराम चिह्न** कहलाते हैं।

विराम चिह्न कई प्रकार के होते हैं। कुछ प्रमुख विराम चिह्न नीचे दिए जा रहे हैं–

1. **पूर्ण विराम (।) –** इस चिह्न का प्रयोग वाक्य के अंत में किया जाता है।

जैसे– सूरज चमक रहा है।

नीलम सोने जा रही है।

2. **अल्प विराम (,)** – जहाँ हम बोलते या पढ़ते समय थोड़ी देर के लिए रुकते हैं, वहाँ इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे– रोहन, आशीष और नवल घूमने जा रहे हैं।

3. **प्रश्नवाचक चिह्न (?)** – प्रश्न पूछते या लिखते समय वाक्य के अंत में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे– आपका क्या नाम है?

क्या तुम मेरे साथ चलोगे?

4. **विस्मयादिबोधक चिह्न (!)** – आश्चर्य, आंनद, उत्साह, शोक, घृणा, खुशी और दुख जैसे भावों को दर्शाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे–

अरे! यह तुमने क्या कर दिया?

यह भी जानें

ऊपर बताए गए चिह्नों के अलावा और भी विराम चिह्न होते हैं। उनके बारे में नीचे बताया जा रहा है–

- **अद्र्ध विराम चिह्न (;)** – अद्र्ध यानी आधा। जब लिखते समय बहुत कम समय के लिए रुकना होता है, तब इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

  जैसे– सूनामी के दौरान भयंकर तबाही मची; मकान के मकान ढह गए।

- **योजक चिह्न (-)** – इस चिह्न का प्रयोग दो शब्दों की तुलना करने के लिए किया जाता है।

  जैसे– आज-कल महँगाई बढ़ गई है।

  धीरे-धीरे अंधेरा हो रहा है।

- **निर्देशक चिह्न (–)** – किसी बात का निर्देश, उदाहरण तथा विवरण देने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे–नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए–

- **लाघव चिह्न (॰)** – जहाँ शब्द को पूरा न लिखकर छोटे रूप में लिखा जाना हो, वहाँ इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

  जैसे– डॉक्टर – डॉ॰

  प्रोफ़ेसर – प्रो॰

  पंडित – पं॰

- **उद्धरण चिह्न – (‘ ’ / “ ”)** – किसी वाक्य में प्रयुक्त किसी विशेष व्यक्ति या स्थान के नाम के लिए इकहरा उद्धरण चिह्न (‘ ’) तथा किसी व्यक्ति के कथन या संवाद को ज्यों का त्यों बताने के लिए दोहरा उद्धरण चिह्न (“ ”) लगता है।

  जैसे– इसके कवि ‘तुलसी दास’ हैं। (इकहरा उद्धरण)

  उसने कहा, “मेरे पास आओ।” (दोहरा उद्धरण)

अब हम जान गए–

- विराम का अर्थ है – रुकना।
- भाषा को लिखते व बोलते समय, भावों को ठीक प्रकार से व्यक्त करने के लिए विराम चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।
- कुछ प्रमुख विराम चिह्न हैं–
  - **पूर्ण विराम (।)** – इसका प्रयोग वाक्य के अंत में किया जाता है।
  - **अल्प विराम (,)** – वाक्य में कुछ समय के लिए रुकने का संकेत देता है।
  - **विस्मयादिबोधक (!)** – शोक, हर्ष, हैरानी जैसे भावों को प्रकट करते समय वाक्य से पहले इसका प्रयोग होता है।
  - **प्रश्नवाचक (?)** – इसका प्रयोग प्रश्न पूछते समय या लिखते समय किया जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे दिए वाक्यों में सही विराम चिह्न वाले विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. क्या आप राघव को जानते हो?

   (क) प्रश्नवाचक ◯ (ख) पूर्ण विराम ◯

2. रीमा, रेखा, शैली और मीना को केक पसंद है।

   (क) विस्मयादिबोधक ◯ (ख) अल्प विराम ◯

3. अरे! यह तो बहुत सुंदर है।

   (क) पूर्ण विराम ◯ (ख) विस्मयादिबोधक ◯

4. मुझे खाना नहीं खाना है।

   (क) अल्प विराम ◯ (ख) पूर्ण विराम ◯

5. तुम इधर-उधर मत घूमो।

   (क) योजक ◯ (ख) प्रश्नवाचक ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Spatial
  वास्तुकला

सोचो और बताओ–

नीचे दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए–

(क) अरे तुम कहाँ जा रहे हो

(ख) मैंने खाना खा लिया है

(ग) तुम्हारा लेख तो बहुत सुंदर है

(घ) पेड़ के पत्ते हवा से हिल रहे हैं

खेल-खेल में–

नीचे लिखे अनुच्छेद में उचित विराम चिह्न लगाइए–

एक घने जंगल में एक शेर रहता था तभी वहाँ एक मच्छर उड़ता हुआ आया और वह शेर के ऊपर मँडराने लगा शेर गुस्से से बोला अरे मच्छर तू मुझे क्यों परेशान कर रहा है मच्छर ने कहा मुझे पकड़ कर दिखाओ तो जानूँ शेर को और गुस्सा आ गया वह ज़ोर-ज़ोर से पँजे चलाकर उसे पकड़ने की कोशिश करने लगा परंतु मच्छर उसके हाथ नहीं आया।

9 मुहावरे

देवांश **हवा से बातें करता है**।

देवांश बहुत तेज़ दौड़ता है।

रसगुल्ला देखते ही सीमा के **मुँह में पानी आ गया**।

रसगुल्ला देखते ही सीमा का जी ललचा गया।

ऊपर दिए गए वाक्य उनके नीचे दिए गए वाक्य से अलग हैं, किंतु दोनों वाक्यों का अर्थ एक समान ही है। इन वाक्यों के रंगीन वाक्यांश शब्दों के आधार पर अर्थ न देकर अलग ही अर्थ दे रहे हैं। ऐसे ही वाक्यांश 'मुहावरा' कहलाते हैं। मुहावरों के प्रयोग से भाषा और भी सुंदर एवं प्रभावशाली हो जाती है। जैसे– हवा से बातें करना–बहुत तेज़ दौड़ना। मुँह में पानी आना–जी ललचाना।

वह वाक्यांश जो अपना सामान्य अर्थ न देकर एक विशेष अर्थ देता है, **मुहावरा** कहलाता है।

अन्य मुहावरे–

अँगूठा दिखाना	– साफ़ इंकार कर देना	पीठ थपथपाना	– शाबाशी देना
आँखों का तारा होना	– बहुत प्यारा होना	नौ–दो–ग्यारह होना	– भाग जाना
पेट में चूहे दौड़ना	– बहुत भूख लगना	फूला न समाना	– बहुत खुश होना
गले का हार होना	– बहुत प्यारा होना	पानी–पानी होना	– शर्मिंदा होना
आग–बबूला होना	– बहुत गुस्सा होना	प्राण सूखना	– डर जाना
अंधे की लाठी होना	– एक मात्र सहारा	चकमा देना	– धोखा देना

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा करने के लिए सही मुहावरे वाले विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. जब श्याम की चोरी पकड़ी गई तो–
   (क) उसने कमर कस ली। ◯ (ख) आग–बबूला हो गया। ◯
   (ग) वह शर्म से पानी–पानी हो गया। ◯
2. जब मैं खेलकर थक गया तो–
   (क) मेरे होश उड़ गए। ◯ (ख) मुँह में पानी भर आया। ◯
   (ग) पेट में चूहे कूदने लगे। ◯
3. शेर को अपने सामने देखकर–
   (क) मेरे प्राण सूख गए। ◯ (ख) मैंने चकमा दे दिया। ◯
   (ग) मैंने अँगूठा दिखा दिया। ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Logical Mathematical
  तर्क–बुद्धि
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

सोचो और बताओ–

1. **नीचे दिए गए मुहावरों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए–**

हाथ बँटाना, अंधे की लाठी होना, पीठ थपथपाना, फूला न समाना, गले का हार होना

....

....

....

....

....

2. **मुहावरों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–**

सब बच्चे अपने माता–पिता की आँखों का तारा होते हैं।

(क) गुलाब जामुन देखकर मेरे .... आ जाता है।

(ख) स्वादिष्ट खाना देखकर मेरे .... लगे।

(ग) पुलिस को देखते ही चोर .... हो गए।

खेल-खेल में–

1. **शरीर के अंगों के नाम पर बने दो मुहावरे लिखिए–**

जैसे– कान – कान पर जूँ न रेंगना

2. **नीचे दिए गए जानवरों के नाम पर बने मुहावरों को सोचकर लिखिए–**

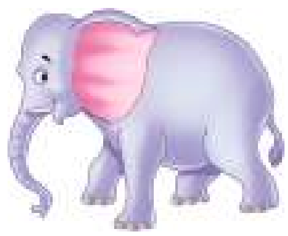

10 विलोम शब्द

चाय बहुत **गरम** है।

बर्फ़ बहुत **ठंडी** है।

कमल **हँस** रहा है।

नीरज **रो** रहा है।

सूर्य **पूर्व** में **उदय** होता है।

सूर्य **पश्चिम** में **अस्त** होता है।

ऊपर दिए वाक्यों में रंगीन शब्द एक-दूसरे से उलटा अर्थ प्रकट कर रहे हैं; जैसे-

गरम	–	ठंडा	हँसना	–	रोना
पूर्व	–	पश्चिम	उदय	–	अस्त

ऐसे शब्द, जो एक-दूसरे से उलटा या विपरीत अर्थ देते हैं, **विलोम शब्द** कहलाते हैं।

कुछ प्रमुख विलोम शब्द –

अंधकार	–	प्रकाश	सरल	–	कठिन
सुगंध	–	दुर्गंध	आशा	–	निराशा
अँधेरा	–	उजाला	ऊपर	–	नीचे
वीर	–	कायर	सुख	–	दुख
स्वर्ग	–	नरक	सत्य	–	असत्य
सच	–	झूठ	आगे	–	पीछे
आरंभ	–	अंत	शांति	–	अशांति
मित्र	–	शत्रु	मीठा	–	खट्टा
गुण	–	अवगुण	सम्मान	–	अपमान
शाकाहारी	–	माँसाहारी	दिन	–	रात

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे दिए गए शब्दों के उचित विलोम शब्द वाले विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. मित्र–
   (क) दोस्त ◯ (ख) शत्रु ◯ (ग) सखा ◯
2. सत्य–
   (क) असत्य ◯ (ख) झूठा ◯ (ग) सच्चा ◯
3. सुख–
   (क) दुखी ◯ (ख) परेशान ◯ (ग) दुख ◯
4. अँधेरा–
   (क) अँधेरी ◯ (ख) उजाला ◯ (ग) चमकदार ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Logical Mathematical
  तर्क-बुद्धि

सोचो और बताओ–

1. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों के विलोम शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–**

(क) .... जल्दी उठकर सैर के लिए जाना चाहिए। (शाम)

(ख) मैं गरमी में .... पानी पीता हूँ। (गरम)

(ग) नीम की पत्तियाँ .... होती हैं। (मीठी)

(घ) कूड़ेदान में से .... आ रही है। (सुगंध)

(ङ) रात को चारों ओर .... फैल जाता है। (उजाला)

2. निम्नलिखित वाक्यों में छपे रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

गौरव और आर्यन मित्र हैं .... नहीं।

फूलों से सुगंध आती है, ... नहीं।

सूर्य पूर्व से निकलता है, ... में छिपता है।

नींबू मीठा नहीं, ... है।

खेल-खेल में–

नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द वर्ग पहेली में ढूँढिए–

सुख सच ऊपर शांति शाकाहारी सरल

अ	शां	ति	छ	ड़
च	नी	चे	ञ	माँ
दु	ख	ट	न	सा
क	ठि	न	प	हा
क	झू	ठ	ठ	री

11 वाक्यांश के लिए एक शब्द

दिव्या स्कूल में पढ़ाती है।
वह **शिक्षिका** है।

नीरव मूर्ति बनाता है।
वह **मूर्तिकार** है।

उस बालक के माता-पिता नहीं हैं।
वह **अनाथ** है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में शिक्षिका, मूर्तिकार व अनाथ शब्द अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग हुए हैं।

जैसे– जो स्कूल में पढ़ाए – **शिक्षिका / शिक्षक**
मूर्ति बनाने वाला – **मूर्तिकार**
जिसके माता-पिता न हो – **अनाथ**

अत: जो शब्द अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे **वाक्यांश के लिए एक शब्द** कहलाते हैं।

कुछ वाक्यांश के लिए एक शब्द –

जिसके माता-पिता न हों	–	अनाथ
अपने देश की वस्तु	–	स्वदेशी
जिसके मन में दया हो	–	दयालु
जिसे किसी का डर न हो	–	निडर
कपड़े सिलने वाला	–	दरज़ी
वर्ष में एक बार होने वाला	–	वार्षिक
गाँव में रहने वाला	–	ग्रामीण
जो कला की रचना करे	–	कलाकार
लोहे का काम करने वाला	–	लोहार

जो कभी न मरे	–	अमर
दूसरे देश की वस्तु	–	विदेशी
जो बहुत बोलता हो	–	वाचाल
प्रतिदिन होने वाला	–	दैनिक
सप्ताह में एक बार होने वाला	–	साप्ताहिक
साथ पढ़ने वाला	–	सहपाठी
शहर में रहने वाला	–	शहरी
सेना में काम करने वाला	–	सैनिक
जूते बनाने वाला	–	मोची

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए उचित एक शब्द का गोला (◯) भरिए–

1. जिसके मन में दया हो–
   (क) दयालु ◯ (ख) दयालू ◯ (ग) दया ◯
2. महीने में एक बार होने वाला–
   (क) मौसिक ◯ (ख) महानिक ◯ (ग) मासिक ◯
3. साथ पढ़ने वाला–
   (क) सहपाठी ◯ (ख) सहयात्री ◯ (ग) पाठिका ◯
4. नगर में रहने वाला–
   (क) ग्रामीण ◯ (ख) नागरिक ◯ (ग) पर्यटक ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

सोचो और बताओ–

उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) गाय घास खाती है, वह .... है। (शाकाहारी / वाचाल)
(ख) यह महीने में एक बार छपने वाली .... पत्रिका है। (मासिक / वार्षिक)
(ग) उसके मन में बहुत दया है, वह .... है। (दयालु / निर्दयी)
(घ) यह फ़ोन दूसरे देश में बना है, यह .... है। (विदेशी / स्वदेशी)

खेल-खेल में–

नीचे दिए गए चित्रों को पहचान कर उनके नाम बताइए–

12 अनेकार्थक शब्द

नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और अर्थ समझिए–

1. लोगों ने **जल** रहे कपड़ों पर **जल** डाल दिया।
2. पहले समय में **पत्र** पर **पत्र** लिखते थे।

पहले वाक्य में 'जल' शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है, परंतु अर्थ अलग-अलग है।

जल – जलना जल – पानी

इसी प्रकार दूसरे वाक्य में भी 'पत्र' शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है, परंतु अर्थ अलग-अलग है।

पत्र – पत्ता पत्र – चिट्ठी

ऐसे शब्द जिनके अनेक अर्थ होते हैं, **अनेकार्थक शब्द** कहलाते हैं।

कुछ प्रमुख अनेकार्थक शब्द–

जल	–	पानी, जलना	पर	–	ऊपर, पंख, परंतु
कर	–	हाथ, करना	बाल	–	बाल, बच्चा
उत्तर	–	जवाब, एक दिशा	फल	–	आम आदि फल, परिणाम
पत्र	–	चिट्ठी, पत्ता	जग	–	एक बरतन, संसार
पूर्व	–	पहले, एक दिशा	हार	–	माला, हारना

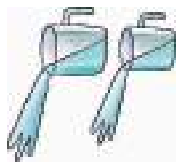

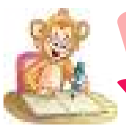

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त शब्द का सही अर्थ ढूँढकर उसका गोला (◯) भरिए–

1. **जग** में तरह-तरह के लोग रहते हैं।

(क) एक बरतन ◯ (ख) संसार ◯ (ग) दोनों ◯

2. मेहनत करो, **फल** की चिंता मत करो।
(क) परिणाम ◯ (ख) केला सेब जैसे फल ◯ (ग) दोनों ◯

3. पंछी के **पर** उनकी मदद उड़ने में करते हैं।
(क) परंतु ◯ (ख) पंख ◯ (ग) दोनों ◯

4. इस प्रश्न का **उत्तर** बहुत कठिन है।
(क) एक दिशा ◯ (ख) जवाब ◯ (ग) दोनों ◯

5. हमें **रात** में **सोना** चाहिए।
(क) स्वर्ण ◯ (ख) नींद की क्रिया ◯ (ग) दोनों ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Bodily Kinesthetic
  शारीरिक क्षमताएँ

सोचो और बताओ–

नीचे दिए गए शब्दों के अलग-अलग अर्थों के अनुसार वाक्य बनाइए–

(क) पर– ऊपर – ....
पंख – ....
(ख) हार– माला – ....
परास्त – ....
(ग) पूर्व– पहले – ....
एक दिशा – ....
(घ) कर– करना – ....
हाथ – ....

खेल-खेल में–

नीचे दिए गए चित्रों को एक ही नाम दीजिए–

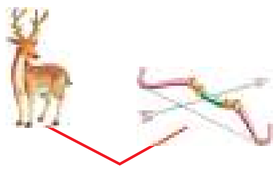
....

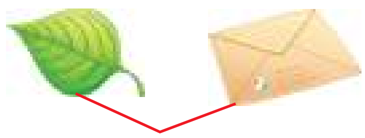
....

....

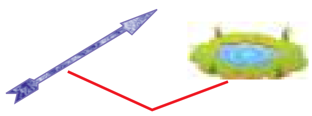
....

13 पर्यायवाची शब्द

आँचल बोली दादी से,
बाहर **बरसात** होती है।
दादी बोली **बरसात** नहीं,
यह तो **वर्षा** होती है।
दादा जी फिर आकर बोले,
अरे, ओ! दादी-पोती,
न यह **वर्षा**, न **बरसात**
यह तो **बारिश** होती है।
इतने में माँ आकर बोली,
वर्षा, **बारिश** और **बरसात**
तीन शब्द पर एक ही बात।

ऊपर दी गई कविता में रंगीन शब्द वर्षा, बारिश और बरसात एक समान या एक जैसा अर्थ दे रहे हैं। इन तीनों शब्दों का प्रयोग बारिश के लिए ही किया गया है। अत:-

ऐसे शब्द, जो एक-दूसरे के समान या एक जैसा अर्थ देते हैं, **समानार्थी** या **पर्यायवाची शब्द** कहलाते हैं।

एक अन्य उदाहरण देखें–

बगीचे में बहुत से **पेड़** हैं।
बगीचे में बहुत से **तरु** हैं।
बगीचे में बहुत से **वृक्ष** हैं।

इस उदाहरण में की छवि को दर्शाने के लिए **पेड़**, **वृक्ष** तथा **तरु** तीनों शब्दों का प्रयोग किया गया है। अत: ये शब्द पर्यायवाची शब्द हैं।

कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्द–

प्रभु	– ईश्वर, भगवान	बगीचा	– वाटिका, उपवन
वृक्ष	– पेड़, विटप, तरु	हवा	– पवन, वायु, समीर
आँख	– नेत्र, नयन, लोचन	पक्षी	– पंछी, विहग, खग
सूर्य	– सूरज, दिनकर, दिवाकर	फूल	– पुष्प, कुसुम, सुमन
कमल	– नीरज, सरोज, राजीव	धरती	– पृथ्वी, ज़मीन , भूमि
बादल	– मेघ, जलधर, जलद	रात	– रात्रि, निशा, रजनी
जगत	– संसार, विश्व, दुनिया	पहाड़	– पर्वत, नग, गिरि
चाँद	– चंद्रमा, शशि, राकेश	गुरु	– आचार्य, शिक्षक, अध्यापक
पानी	– जल, नीर, सलिल	माँ	– माता, अंबा, जननी
आदमी	– मनुष्य, नर, पुरुष	औरत	– स्त्री, नारी, महिला
आग	– अग्नि, पावक, अनल	सुबह	– सवेरा, प्रातः
सागर	– समुद्र, सिंधु	हाथी	– हस्ती, गज, गजराज

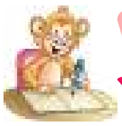

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे दिए गए रंगीन शब्दों के उचित पर्यायवाची शब्द वाले विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. **सूरज** – (क) सवेरा ◯ (ख) सूर्य ◯ (ग) किरण ◯
2. **गुरु** – (क) शिक्षार्थी ◯ (ख) अध्यापक ◯ (ग) पाठशाला ◯
3. **फूल** – (क) कली ◯ (ख) तरु ◯ (ग) पुष्प ◯
4. **जगत** – (क) रात्रि ◯ (ख) जननी ◯ (ग) विश्व ◯
5. **पहाड़** – (क) गिरि ◯ (ख) जल ◯ (ग) मनुष्य ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान

सोचो और बताओ–

1. **नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

वृक्ष –	....	....	फल –	....	....
गुरु –	....	....	ज्ञान –	....	....
पक्षी –	....	....	आकाश –	....	....

2. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उनके लिए दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

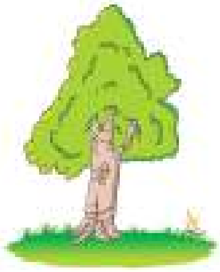

पेड़	....	....	....	....
वृक्ष	....	....	....	....

खेल-खेल में–

1. बच्चों को कक्षा में पर्यायवाची शब्दों के कुछ शब्द-कार्ड दें। प्रत्येक शब्द का चित्र-कार्ड भी दें। जिस बच्चे के पास चित्र-कार्ड है, उसे आगे आने को कहें। उस चित्र-कार्ड से जुड़े शब्द-कार्ड जिन बच्चों के पास होंगे, वे आगे आएँगे–

जैसे– पानी जल नीर

इस प्रकार 3-4 बच्चे बारी-बारी से आगे होंगे, जो पर्यायवाची शब्दों को दर्शा रहे होंगे।

2. मछलियों पर लिखे पर्यायवाची शब्दों को मिलाइए–

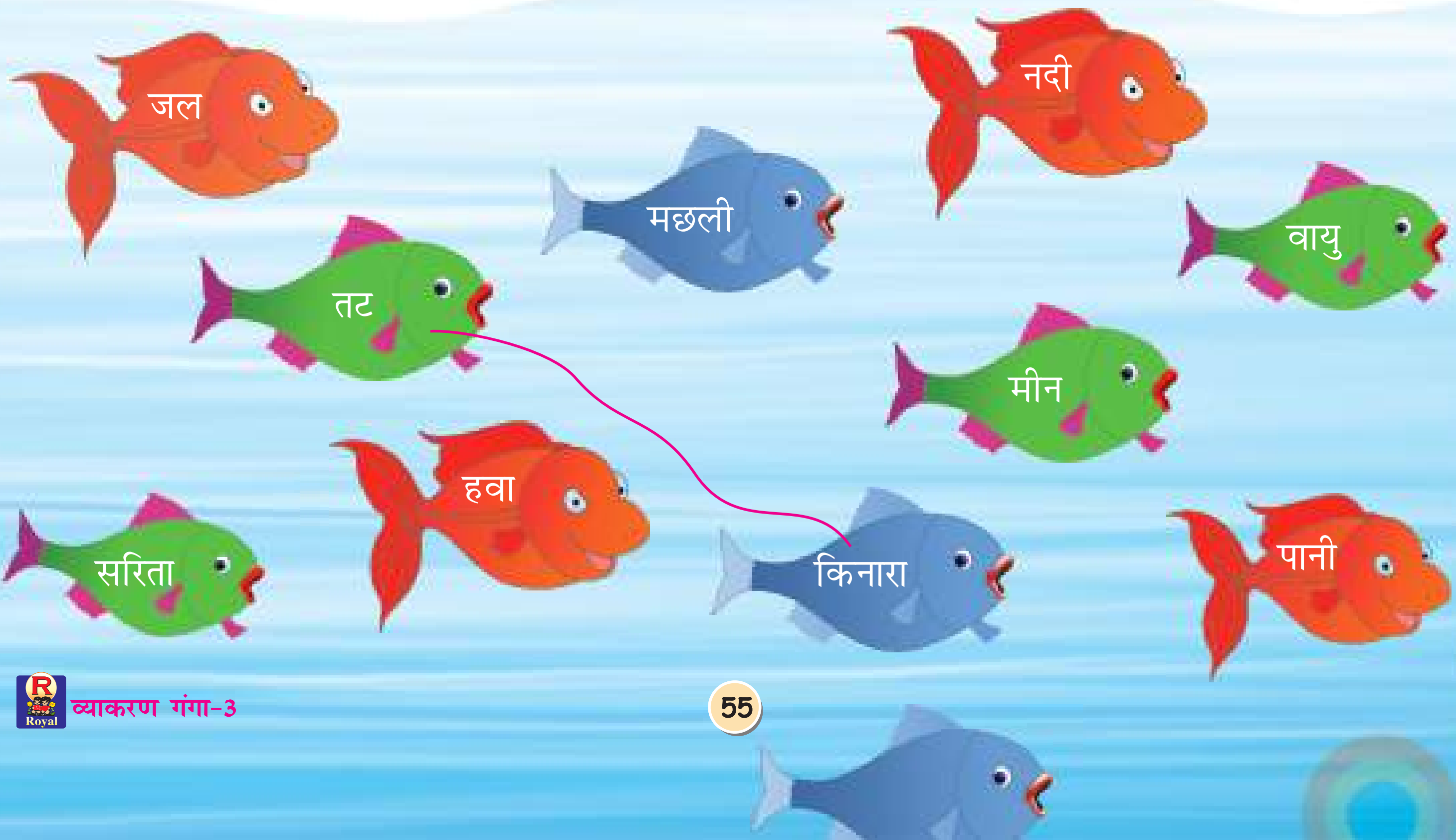

14 रचनात्मक-गतिविधियाँ

संवाद-लेखन

1. पेड़ और मुनिया के बीच संवाद –

पेड़ – अरे मुनिया! क्या हुआ? तुम उदास क्यों बैठी हो?

मुनिया – क्या बताऊँ दोस्त, मैं यह देखकर उदास हो रही हूँ कि धीरे-धीरे पेड़-पौधे धरती से खत्म होते जा रहे हैं।

पेड़ – हाँ, मैं भी अपने दोस्तों के बिना अकेला रह गया हूँ।

मुनिया – चिंता मत करो। तुम मेरे सबसे अच्छे दोस्त हो। मैं तुम्हें कभी कटने नहीं दूँगी।

पेड़ – धन्यवाद मुनिया! हम तुम जैसे दोस्तों की वज़ह से ही बचे हुए हैं।

2. मान्या दो दिन से बीमार थी। वह स्कूल भी नहीं गई। उसका हाल-चाल पूछने के लिए उसकी सखी काव्या ने उसे फ़ोन किया।

काव्या – हैलो, मान्या! मैं काव्या बोल रही हूँ।

मान्या – अरे काव्या तुम! तुमने इतने दिन बाद फोन किया!

काव्या – हाँ, तुम तीन दिन से स्कूल क्यों नहीं आई?

मान्या – मुझे बुखार आ गया था। अब मैं ठीक हूँ।

काव्या – फिर कब से स्कूल आओगी?

मान्या – मैं कल से ही स्कूल आऊँगी। स्कूल में फिर बहुत सारी बातें करेंगे।

काव्या – ठीक है।

3. **सचिन और मुकुल के बीच संवाद–**

मुकुल – मोहन, कल हमने होली खेली थी।

सचिन – मैंने भी कल अपने परिवार के साथ खूब मज़े से होली खेली थी।

मुकुल – अच्छा, क्या तुम्हें होली का त्योहार पसंद है?

सचिन – हाँ, मुझे और मेरे पूरे परिवार को होली का त्योहार बहुत पसंद है।

मुकुल – तुम होली कैसे खेलते हो?

सचिन – हम होली पर सभी को गुलाल लगाते हैं और दोस्तों को पिचकारी से भिगोते हैं, उसके बाद सभी दोस्त नाचते हैं और गाते हैं।

मुकुल – अगले साल मैं भी तुम्हारे घर पर होली खेलने आऊँगा।

सचिन – हाँ दोस्त, ज़रूर आना। वैसे भी यह हमारे देश का सबसे लोकप्रिय त्योहार है।

प्रदत्त कार्य

फूलों पर मंडराते भँवरे और फूल आपस में क्या बातें करते हैं? सोचकर संवाद लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

अपठित गद्यांश

1. एक बार एक कुत्ते को बहुत जोर से भूख लगी। वह रोटी की तलाश में निकला। उसे एक रोटी मिली। वह रोटी को आराम से बैठकर खाना चाहता था। उसने वह रोटी मुँह में दबाई और नदी की तरफ़ चल पड़ा। नदी पर एक छोटा पुल था। जब कुत्ता नदी पार कर रहा था, तभी उसे पानी में अपनी परछाई दिखाई दी। उसने सोचा क्यों न इस कुत्ते के मुँह में रखी रोटी भी छीन लूँ? वह दूसरे कुत्ते पर जोर से भौंका। भौंकते ही उसके मुँह की रोटी नदी में गिर गई। बेचारा कुत्ता भूखा ही रह गया।

प्रश्न 1. कुत्ता किसकी तलाश में था?

उत्तर– कुत्ता रोटी की तलाश में था।

प्रश्न 2. वह नदी की तरफ़ क्यों गया?

उत्तर– वह आराम से रोटी खाने के लिए नदी की तरफ़ गया।

प्रश्न 3. नदी के ऊपर क्या था?

उत्तर– नदी के ऊपर एक छोटा पुल था।

प्रश्न 4. कुत्ते को नदी में क्या दिखाई दिया?

उत्तर– कुत्ते को नदी में अपनी परछाई दिखाई दी।

प्रश्न 5. कुत्ता भूखा क्यों रह गया?

उत्तर– कुत्ता भूखा इसलिए रह गया, क्योंकि उसकी रोटी नदी में गिर गई थी।

2. सुनिधि पहाड़ों पर घूमने गई। वहाँ उसने देखा कि एक बहुत बड़े पेड़ पर अखरोट लगे हुए थे। सुनिधि ने पहली बार अखरोट का पेड़ देखा था। पेड़ के पास कद्दू की बेल थी। उस पर बड़े-बड़े कद्दू लगे थे। सुनिधि को अखरोट भी पसंद थे और कद्दू भी। सुनिधि सोचने लगी–"इतने बड़े पेड़ पर छोटे-छोटे अखरोट और इतनी छोटी-सी बेल पर बड़े-बड़े कद्दू! ऐसा क्यों? बड़े पेड़ पर बड़े कद्दू होने चाहिए। छोटी बेल पर छोटे अखरोट होने चाहिए।" वह पेड़ के नीचे बैठी-बैठी यही सोच रही थी कि तभी उसके सिर पर छोटा-सा अखरोट आकर गिरा। उसने तुरंत कहा, "पेड़ पर तो अखरोट ही ठीक हैं। अगर कहीं कद्दू होता, तो मेरा क्या होता?"

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. सुनिधि कहाँ घूमने गई थी?

   (क) पहाड़ों पर ◯ (ख) विदेश में ◯ (ग) दोनों जगह ◯

2. सुनिधि ने पहली बार क्या देखा?

   (क) अखरोट का पेड़ ◯ (ख) काजू ◯ (ग) दोनों ◯

3. सुनिधि को क्या देखकर हैरानी थी?

   (क) बड़े पेड़ पर छोटे अखरोट ◯ (ख) छोटी बेल पर बड़े कद्दू ◯ (ग) दोनों ◯

4. सुनिधि के सिर पर क्या आकर गिरा?

   (क) कद्दू ◯ (ख) अखरोट ◯ (ग) दोनों ◯

प्रदत्त कार्य

एक लड़की थी। उसका नाम बेला था। वह आठ साल की थी। उसे परियों की कहानी सुनना और सुनाना बहुत अच्छा लगता था। जब वह सोती थी, तो उसके सपने में एक बहुत सुंदर परी आती थी। वह परी बेला से बात करती थी। धीरे-धीरे बेला की दोस्ती परी से हो गई। एक दिन सपने में बेला ने पूछा–"क्या मैं भी तुम्हारी तरह हवा में उड़ सकती हूँ।" परी ने कहा–"क्यों नहीं, मेरा हाथ पकड़ो।" जैसे ही बेला ने परी का हाथ पकड़कर उड़ना शुरू किया, वैसे ही बेला की आँखें खुल गईं। सुबह के सात बजे थे। वह उठकर स्कूल जाने की तैयारी करने लगी।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बेला कौन थी?

   ....

2. बेला ने परी को कहाँ देखा था?

   ....

3. बेला की क्या इच्छा थी?

   ....

4. हवा में कौन उड़ सकता था?

   ....

प्रदत्त कार्य

घने जंगल में एक शेर रहता था। उससे जंगल में रहने वाले सभी जानवर डरते थे। सियार भी उससे बहुत परेशान थे। एक रात की बात थी। एक जवान सियार गाँव की तरफ़ गया। वहाँ दीपावली की तैयारियाँ चल रही थीं। उसने एक घर के बाहर एक बड़ा टब रखा देखा। उस टब में नीला रंग भरा था। सियार ने टब में छलाँग लगाई और वापस जंगल में आ गया। उसके शरीर का रंग नीला हो गया था। उसे देखकर जंगल के सभी जानवर डरकर भागने लगे। रंगे सियार ने शेर को खूब फटकार लगाई। शेर बहुत डर गया था। इतने में एक सियार ने शेर के कान में कुछ कहा और सभी सियार ज़ोर–ज़ोर से रोने लगे। रंगा सियार भी सब कुछ भूलकर रोने लगा। शेर ने जवान सियार को तुरंत धर दबोचा। रंगा सियार मारा गया।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. सियार गाँव में कब गया था?

   (क) दिन में ◯ (ख) रात में ◯ (ग)दोनों समय ◯

2. सियार ने किस रंग में रंगकर शेर को फटकार लगाई थी?

   (क) नीले रंग में ◯ (ख) पीले रंग में ◯ (ग) लाल रंग में ◯

3. जवान सियार की पोल किसने खोली?

   (क) शेर ने ◯ (ख) बकरी ने ◯ (ग) सियार ने ◯

4. गाँव में किस त्योहार की तैयारियाँ चल रही थीं?

   (क) होली की ◯ (ख) दीपावली की ◯ (ग) बैसाखी की ◯

5. इस कहानी को क्या नाम दिया जा सकता है?

   (क) शेर और सियार ◯ (ख) रंगा सियार ◯ (ग) दोनों ◯

चित्र-वर्णन

1. यह चित्र होली का है। बच्चों ने अपनी-अपनी टोलियाँ बनाई हैं। एक टोली के बच्चे पानी फेंक रहे हैं और दूसरी टोली के बच्चे गुलाल लगा रहे हैं। बड़े लोगों का अलग से एक समूह बना है, वे लोग एक-दूसरे को सिर्फ़ गुलाल से टीका लगा रहे हैं और गले मिलकर होली की मुबारकबाद दे रहे हैं। कुछ बच्चे बिना टोली के ही टोली वाले बच्चों पर गुब्बारे फेंक रहे हैं। सभी बच्चे बहुत खुश हैं।

2. आज गाँव में मेला लगा है। देवेश और खुशबू अपने दादाजी के साथ मेला देखने आए हैं। मेले में दुकानों की खूब सजावट की गई है। खिलौनों, मिठाइयों और समोसों की दुकानों पर बहुत भीड़ है। मेले में कई झूले भी लगे हैं। बच्चे उनमें झूलकर खूब मज़ा ले रहे हैं। कुछ बच्चे हाथी और ऊँट की सवारी कर रहे हैं।

3. यह चित्र स्कूल के मैदान का है। बच्चे मैदान में खेल रहे हैं। कुछ लड़के फुटबॉल खेल रहे हैं। कुछ लड़कियाँ आपस में बातें कर रही हैं। दो बच्चे एक तरफ़ बैठकर भोजन कर रहे हैं। कुछ लड़कियाँ झूले पर झूल रही हैं।

प्रदत्त कार्य

चित्र देखकर वर्णन कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अनुच्छेद-लेखन

किसी एक विचार पर जो लेख लिखा जाता है, उसे **अनुच्छेद** कहते हैं। अनुच्छेद वाक्यों के रूप में लिखा जाता है।

अनुच्छेद लिखते समय ध्यान रखें–

1. सारी बातें क्रम से लिखी जाएँ।
2. भाषा सरल हो।
3. वाक्य छोटे हों।
4. किसी बात को दोहराया न जाए।

नीचे दिए गए कुछ अनुच्छेदों को पढ़िए–

1. वर्षा ऋतु

मुझे वर्षा ऋतु बहुत पसंद है। वर्षा ऋतु में बादल बहुत गरजते और बरसते हैं। नदी, नाले, तालाब आदि सभी पानी से भर जाते हैं। चारों ओर हरियाली ही हरियाली दिखाई पड़ती है। वर्षा होने पर हमें गरमी से राहत मिलती है। बच्चे बारिश में भीगने व नहाने के लिए दौड़ पड़ते हैं। वन तथा बागों में मोर पंख फैलाकर नाचते हैं। तालाबों से बाहर निकलकर मेढक टर्र-टर्र करते हैं। हमें वर्षा से पानी मिलता है। जीने के लिए पानी बहुत ज़रूरी है। इसीलिए जल को 'जीवन' कहा जाता है।

2. चिड़ियाघर की सैर

मैं पिछले रविवार को अपने परिवार के साथ दिल्ली का चिड़ियाघर देखने गया। उसके बाहर

खाने-पीने के सामान की दुकानें थीं। हम टिकट लेकर अंदर गए। अंदर कई जानवर पिंजरे में बंद थे। एक पिंजरे में जंगल का राजा शेर दहाड़ रहा था। एक पिंजरे में बंदर लटक रहे थे। बंदरों के पिंजरे के बाहर बहुत भीड़ थी। लोग उनकी शरारतों का मज़ा ले रहे थे। हमने वहाँ पर बहुत-से पशु-पक्षी भी देखे। सचमुच, हमें चिड़ियाघर देखकर बहुत मज़ा आया।

3. मेरी साइकिल

मेरी साइकिल लाल रंग की है। यह साइकिल मेरे पिताजी ने मुझे जन्मदिन पर दी थी। मैं इसे साफ़-सुथरा रखता हूँ। मैं साइकिल पर चढ़कर बहुत-से काम झटपट कर लेता हूँ। पहले मैं पैदल जाता था, अब मैं टन-टन करता हुआ निकल जाता हूँ। इसका कोई खर्च भी नहीं है। बिना पेट्रोल और बिना बैटरी चुपचाप चल पड़ती है—मेरी साइकिल।

4. लूडो का खेल

रमन अपने दोस्तों को बुलाने गया। थोड़ी देर में उसके साथ तीन दोस्त आए—अंशुल, मेहुल और रचित। चारों ने अपनी-अपनी जगह ली। रमन ढलान की तरफ़ बैठा। थोड़ी देर में पासा इधर-उधर लुढ़कने लगा। रमन ने हरे रंग की चारों गोटियों को फैलाना शुरू कर दिया। उसने फटाफट छह-छह अंक लिए और फिर उसकी बारी। थोड़ी देर में सारी गोटी अंदर। रमन जीत गया। तीनों दोस्त खेलते रहे।

5. रक्षाबंधन

मुझे रक्षाबंधन बहुत अच्छा लगता है। इस दिन सभी बहनें अपने भाइयों को राखी बाँधती हैं और

भाई अपनी बहनों की रक्षा का वादा करते हैं। हम इस दिन सुबह-सुबह नहा-धोकर नए कपड़े पहनते हैं। फिर माँ राखी और मिठाई की थाली लाती है। बहनें भाई को तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बाँधती हैं और उसे मिठाई खिलाती हैं। इस त्योहार के साथ भाई-बहन का प्यार और भी गहरा तथा मज़बूत बन जाता है। हम सब बहुत प्यार से इस त्योहार को मनाते हैं।

प्रदत्त कार्य

निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर अनुच्छेद लिखिए–

- मेरा जन्मदिन
- प्रिय खेल
- बरसात का दिन
- तितली रानी

पत्र-लेखन

अपनी बात को लिखकर बताना या किसी को अपना संदेश लिखकर भेजना, यह कार्य पत्र की सहायता से होता है। हम अपने भावों और विचारों को लिखकर पत्र के माध्यम से दूसरों तक पहुँचा सकते हैं।

पत्र दो प्रकार के होते हैं–

औपचारिक – अधिकारी, अध्यापिका, प्रधानाचार्य आदि को लिखे जाने वाले पत्र।

अनौपचारिक – मित्रों, सगे-संबंधियों आदि को लिखे जाने वाले पत्र।

औपचारिक पत्र

अपने विद्यालय की प्रधानाचार्या को तीन दिन की छुट्टी के लिए पत्र लिखिए।

सेवा में,

प्रधानाचार्या जी,

डी० ए० वी० पब्लिक स्कूल,

पीतमपुरा, दिल्ली

विषय–अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र।

महोदया,

निवेदन यह है कि कल रात अचानक मेरे कान में बहुत तेज़ दर्द हो गया था। डॉक्टर ने मुझे कान में दवाई डालने के लिए दी है और तीन दिन आराम करने की सलाह भी दी है। अतः मुझे तीन दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। मैं अपने मित्रों की मदद से गृह-कार्य पूरा कर लूँगी। आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या

शिखा

कक्षा – तृतीय

दिनाँक – 10 फरवरी, 2015

अनौपचारिक पत्र

1. खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त होने की जानकारी देते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

200, मधुबन अपार्टमेंट,

सैक्टर–22, रोहिणी

दिल्ली–110085

29 अक्तूबर, 20XX

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ ठीक प्रकार से हूँ। आशा करती हूँ कि आप भी स्वस्थ और सकुशल होंगे। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मैंने खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रधानाचार्या जी और सभी अध्यापिकाओं ने मुझे आशीर्वाद भी दिया। मुझे यह सफलता आपके आशीर्वाद से प्राप्त हुई है। मैं आगे भी आपके आशीर्वाद से इसी तरह सफलता प्राप्त करती रहूँगी। पिताजी आपको और मम्मी को मेरा प्रणाम।

आपकी प्यारी बेटी

नेहा

2. अपनी नानी जी को कक्षा में प्रथम आने की जानकारी देते हुए पत्र लिखिए।

775, राधिका अपार्टमेंट,

सैक्टर–3, वैशाली

गाजियाबाद (उ० प्र०)

5 जनवरी, 20XX

पूज्य नानी जी,

सादर प्रणाम।

हम सब यहाँ पर ठीक प्रकार से हैं। आशा करती हूँ कि आप लोग भी वहाँ स्वस्थ और सकुशल होंगे। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मैंने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पिता जी ने मुझे साइकिल दिलाने का वादा किया है। मुझे साइकिल चलाने में बड़ा मज़ा आएगा।

नाना जी को भी मेरा प्रणाम कहना।

आपकी प्यारी नातिन,

श्रेया

3. अपने मित्र को पिकनिक पर ले जाने के लिए निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।

194, सवेरा अपार्टमेंट,

सैक्टर-21, रोहिणी

नई दिल्ली-110086

25 फरवरी, 20XX

प्रिय मित्र आलेख,

मैं यहाँ पर ठीक प्रकार से हूँ और तुम भी वहाँ ठीक होंगे। मेरी परीक्षाएँ दो दिन बाद समाप्त हो रही हैं। उसके बाद हम सब मित्र 'मेट्रो वॉक' जाएँगे। वहाँ हम सब चौथे रविवार को जाएँगे। हम सबकी इच्छा है कि तुम भी हमारे साथ पिकनिक मनाने चलो। वहाँ खूब मज़ा आएगा।

जैसा भी हो, समय रहते सूचित करना। मैं तुम्हारे जवाब का इंतज़ार कर रहा हूँ।

तुम्हारा मित्र,

सिद्धांत

प्रदत्त कार्य

कक्षा अध्यापिका से दो दिन का अवकाश माँगते हुए पत्र लिखिए।

या

कविता पाठ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

प्रदत्त कार्य

अपने मित्र के साथ मेले में जाने के लिए उसे पत्र लिखिए।

या

साइकिल दिलवाने के लिए चाचा जी को एक पत्र लिखिए।

वर्तनी की सामान्य अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
मै	मैं	श्रृँगार	शृँगार	कमप्यूटर	कंप्यूटर
हुँ	हूँ	पढाई	पढ़ाई	आर्शीवाद	आशीर्वाद
मैनें	मैंने	कृप्या	कृपया	कवियित्री	कवयित्री
नही	नहीं	अध्यन	अध्ययन	उपलक्ष	उपलक्ष्य
तिथी	तिथि	चाहिये	चाहिए	उपरोक्त	उपर्युक्त
भाशा	भाषा	निंधन	निर्धन	स्वास्थय	स्वास्थ्य
षेश	शेष	इनसान	इंसान	उज्जवल	उज्ज्वल
गुरू	गुरु	मुसकान	मुस्कान	संयासी	संन्यासी
सुई	सूई	उल्टा	उलटा	पूज्यनीय	पूजनीय
दुसरा	दूसरा	प्राकृति	प्रकृति	दवाईयाँ	दवाइयाँ
चिन्ह	चिह्न	आईए	आइए	महिलाऐं	महिलाएँ
श्रीमति	श्रीमती	शांती	शांति	उन्होनें	उन्होंने
क्योकि	क्योंकि	महत्व	महत्त्व	प्रदशिनी	प्रदर्शनी
नीरोगी	निरोगी	कर्तव्य	कर्त्तव्य	बिलकुल	बिल्कुल
बिमार	बीमार	किंहीं	किन्हीं	पुरसकार	पुरस्कार
आन्नद	आनंद	दिजिए	दीजिए	समाजिक	सामाजिक
आधीन	अधीन	रुपए	रुपये	परिवारिक	पारिवारिक
परिक्षा	परीक्षा	राष्ट्रिय	राष्ट्रीय	अत्याधिक	अत्यधिक
र्दुबल	दुर्बल	करेगें	करेंगे	व्यवहारिक	व्यावहारिक
स्त्रीयाँ	स्त्रियाँ	सफ़लता	सफलता	प्राधानाचार्य	प्रधानाचार्य
अतिथी	अतिथि	छुट्टियाँ	छुट्टियाँ	विषेशण	विशेषण

दिनों के नाम

रविवार

सोमवार

मंगलवार

बुधवार

बृहस्पतिवार

शुक्रवार

शनिवार

महीनों के नाम

जनवरी

फ़रवरी

मार्च

अप्रैल

मई

जून

जुलाई

अगस्त

सितंबर

अक्टूबर

नवंबर

दिसंबर

संख्याओं के नाम

1. एक
2. दो
3. तीन
4. चार
5. पाँच
6. छह
7. सात
8. आठ
9. नौ
10. दस
11. ग्यारह
12. बारह
13. तेरह
14. चौदह
15. पंद्रह
16. सोलह
17. सत्रह
18. अठारह
19. उन्नीस
20. बीस
21. इक्कीस
22. बाईस
23. तेईस
24. चौबीस
25. पच्चीस
26. छब्बीस
27. सत्ताईस
28. अट्ठाईस
29. उनतीस
30. तीस
31. इकतीस
32. बत्तीस
33. तैंतीस
34. चौंतीस
35. पैंतीस
36. छत्तीस
37. सैंतीस
38. अड़तीस
39. उनतालीस
40. चालीस
41. इकतालीस
42. बयालीस
43. तैंतालीस
44. चवालीस
45. पैंतालीस
46. छियालीस
47. सैंतालीस
48. अड़तालीस
49. उन्चास
50. पचास

आदर्श प्रश्न पत्र-I

समयावधि–1 घंटा 30 मिनट | **अधिकतम अंक–50**

1. रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए– 5

(क) पशु-पक्षियों की आवाज़ .... होती है। (भाषा / ध्वनि)

(ख) हम भाषा के .... रूप को बोलकर सीखते हैं। (मौखिक / लिखित)

(ग) भारत में .... भाषाएँ बोली जाती हैं। (एक / अनेक)

(घ) जो भाषा बोली जाए, वह .... भाषा कहलाती है। (मौखिक / लिखित)

(ङ) भावों व विचारों को पहुँचाने का माध्यम .... कहलाता है। (भाषा / वर्ण)

2. दिए गए शब्दों को लिंग बदलकर लिखिए– 5

(क) हाथी – .... (ख) पड़ोसी – ....

(ग) औरत – .... (घ) ऊँट – ....

(ङ) शेरनी – ....

3. नीचे लिखे वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए– 5

(क) बच्चा गुब्बारे से खेलता है। ....

(ख) कल मयंक फ़िल्म देखने जाएगा। ....

(ग) दादा जी को दूध अच्छा लगता है। ....

(घ) ताजमहल यमुना के किनारे बना है। ....

(ङ) हम दीपावली पर रंगोली बनाते हैं। ....

4. नीचे दिए गए शब्दों के लिए बहुवचन शब्द लिखिए– 5

(क) पतंग – .... (ख) माला – ....

(ग) गाय – .... (घ) बिल्ली – ....

(ङ) तितली – ....

5. सही शब्द लिखकर वाक्य पूरा कीजिए– 5

(क) फल .... हैं। (घने / ताजे)

(ख) तितली .... है। (रंग-बिरंगी / सफेद)

(ग) मुझे .... सेब चाहिए। (दो / कड़वे)

(घ) माँ बाजार से .... टमाटर लाई। (एक किलो / दो लीटर)

(ङ) यह आम .... है। (मीठा / खट्टा)

6. चित्र देखकर वर्णन कीजिए– 5

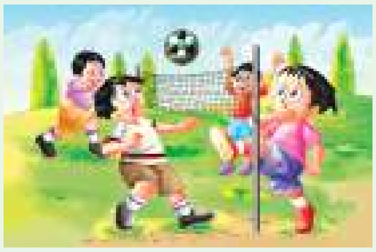

....

....

....

....

7. निम्नलिखित वाक्यों में सही विराम चिह्न लगाइए– 5

(क) नीता अपनी गुड़िया से खेलती है

(ख) तुम वहाँ कब आओगे

(ग) चमन नमन और कनिष्क साथ साथ पढ़ते हैं

(घ) शाबाश तुमने तो कमाल कर दिया

(ङ) आज मैं तुम और कपिल शिमला जाएँगे

8. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– 5

(क) कपड़े सिलने वाला – ....

(ख) रोगी का इलाज करने वाला – ....

(ग) महीने में एक बार होने वाला – ....

(घ) जो अपने देश का हो – ....

(ङ) जिससे बहुत खतरा हो – ....

9. आपका गृह-कार्य पूरा नहीं हुआ है। अपनी इस गलती की माफ़ी माँगते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। 5

10. नीचे दिए गए गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए– 5

प्राय: हम देखते हैं कि सभी महापुरुषों ने अपने जीवन में महान तप किया है और कठोर तपस्या की है। संसार को सच्चा मार्ग दिखाया है। इससे वे महान बने हैं, इसलिए संसार उनकी पूजा करता है। जब हमें इस बात का पता है कि कठोर परिश्रम किए बिना हमें कुछ मिलने वाला नहीं है, तो हम काम करने से जी क्यों चुराते हैं? यह जी चुराना ही अज्ञानता है। पढ़ाई करना और विषय को अच्छी तरह से सीखना ही हमारा कर्म है। इसलिए हमें अपने काम को ईमानदारी से करते रहना चाहिए। इससे यश और प्रतिष्ठा सब कुछ प्राप्त होता है।

1. महान कार्य कौन करता है?

   (क) महापुरुष ◯ (ख) महिला ◯ (ग) पुरुष ◯

2. महापुरुष महान कैसे बने?

   (क) तपस्या करके ◯ (ख) आलस्य ◯ (ग) झूठ बोलकर ◯

3. विद्यार्थियों को क्या करना चाहिए?

   (क) पढ़ाई ◯ (ख) लड़ाई ◯ (ग) दोनों ◯

4. विद्यार्थी को अपना कार्य कैसे करना चाहिए?

   (क) धीरे-धीरे ◯ (ख) ईमानदारी से ◯ (ग) जल्दी-जल्दी ◯

5. 'अज्ञान' का विलोम शब्द है–

   (क) ज्ञान ◯ (ख) मेहनत ◯ (ग) समझ ◯

आदर्श प्रश्न पत्र-II

समयावधि–1 घंटा 30 मिनट | अधिकतम अंक–50

1. नीचे दिए गए विलोम शब्दों का उचित मिलान कीजिए– 5

(क) गुण	निर्धन
(ख) आकाश	नवीन
(ग) स्वर्ग	दोष
(घ) धनवान	पाताल
(ङ) प्राचीन	नरक

2. दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए– 5

(क) तीर – .... (ख) घट – ....

(ग) पानी – .... (घ) हार – ....

(ङ) कल – ....

3. नीचे दिए गए मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए– 5

(क) आँख दिखाना – ....

(ख) पीठ थपथपाना – ....

(ग) फूला न समाना – ....

(घ) मुँह में पानी आना – ....

(ङ) हाथ बँटाना – ....

4. चित्र देखकर वर्णन कीजिए– 5

....

....

....

....

....

5. रंगीन शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द चुनकर गोला (◯) भरिए– 5

1. हम **बाग** में घूमने जाएँगे।

   (क) जलधि ◯ (ख) सरोवर ◯ (ग) वाटिका ◯

2. पिता **पुत्री** के साथ मसूरी गए।

   (क) पुत्र ◯ (ख) बेटी ◯ (ग) अग्रज ◯

3. मैंने **पहाड़** पर चढ़ने का आनंद लिया।

   (क) तड़ाग ◯ (ख) नीर ◯ (ग) पर्वत ◯

4. **पेड़** पर बंदर कूद रहे हैं।

(क) वृक्ष ◯ (ख) नीड़ ◯ (ग) आलय ◯

5. आकाश में काले **बादल** छाए हैं।

(क) गगन ◯ (ख) मेघ ◯ (ग) अंबर ◯

6. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए– **5**

मीता हमेशा उड़ने के सपने देखती रहती थी। एक दिन सपने में जब वह स्कूल से लौटी, तो उसने एक जोड़ी जूते देखे। उनमें पंख थे। मीता ने जूते पहन लिए और वह एक पंछी की तरह उड़ने लगी। वह उड़ती जा रही थी, बस उड़ती जा रही थी। फिर वह थक गई। घर आकर उसने अपने माता-पिता को जादुई जूतों के बारे में बताया। फिर सुबह मीता स्कूल चली गई। उसे उड़ता देखकर उसके दोस्तों को अचरज हुआ। अपने दोस्तों को खुश करने के लिए मीता ने अपने जूते उन्हें दे दिए, ताकि वे भी उड़ सकें। उसके दोस्त उन जूतों के लिए आपस में झगड़ने लगे। उनके झगड़े में जूते टूट गए। मीता रोने लगी। उसके दोस्त उसे समझाने लगे। जब जूते थे, तो मीता से कोई नहीं बोलता था। अब जूते नहीं रहे, तो सब उससे प्यार से बोलने लगे। फिर मीता खुश थी।

1. मीता ने किसका सपना देखा था?

(क) तैरने का ◯ (ख) घूमने का ◯ (ग) उड़ने का ◯

2. मीता ने कैसे जूते देखे?

(क) फीते वाले ◯ (ख) चमड़े के ◯ (ग) पंख वाले ◯

3. मीता द्वारा जूते पहनने के बाद क्या हुआ?

(क) वह नाचने लगी। ◯ (ख) वह पंछी की तरह उड़ने लगी। ◯

(ग) वह गाने लगी। ◯ ◯

4. मीता को उड़ता देखकर उसके दोस्तों को कैसा लगा?

(क) अचरज हुआ। ◯ (ख) खुशी हुई। ◯ (ग) ईर्ष्या हुई। ◯

5. अपने दोस्तों को खुश करने के लिए मीता ने क्या किया?

(क) उसने जूते अपने दोस्तों को दे दिए। ◯ (ख) जूते दूर फेंक दिए। ◯

(ग) जूतों को छिपा दिया। ◯

7. जन्मदिन की बधाई देते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। **5**

8. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए– **5**

राष्ट्रिय, खरगोस, संयास, परिकक्षा, परीश्रम

9. नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम शब्द ढूँढकर उस पर गोला लगाइए– **5**

(क) मुझे रास्ते में एक प्राणी मिला। (ख) वह दो पैरों पर चल रहा था।

(ग) उसकी पूँछ बहुत बड़ी थी। (घ) उसका मुँह काला था।

(ङ) मैं डर गया।

10. किसी एक विषय पर लगभग 50 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– **5**

(क) मेरा मित्र (ख) दीपावली